राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 272 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, मंगलवार 05 अगस्त 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

नशे में धुत सैन्य जवान ने कार से 30 लोगों को मारी टक्कर

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में एक सैन्य जवान पर 25 से 30 लोगों को कार से टक्कर मारने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि वह नशे की हालत में था। आरोपी 40 वर्षीय हर्षपाल महादेव वाघमारे हैं, जो भारतीय सेना में असम में तैनात हैं। वाघमारे 4 दिन की छुट्टी पर महाराष्ट्र में अपने गांव आया था। उसने रात साढ़े 8 बजे रामटेक पुलिस थाना क्षेत्र में लोगों को टक्कर मारी, जिसके बाद लोगों ने उसे पीट दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, सुरदेवी गांव निवासी वाघमारे रविवार को नगरधन में साईं मंदिर और दुर्गा चौक से होकर जा रहा था। तभी उसकी गाड़ी अनियंत्रित हो गई और 30 पैदल राहगीरों को टक्कर मारते हुए हनुमान मंदिर के पास पेड़ से टकरा गई और सड़क किनारे खाई में गिर गई। लोगों ने वाघमारे को कार से निकाला और खूब पीटा, जिसके बाद वह लहुलूहान हो गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताया दुख

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का निधन

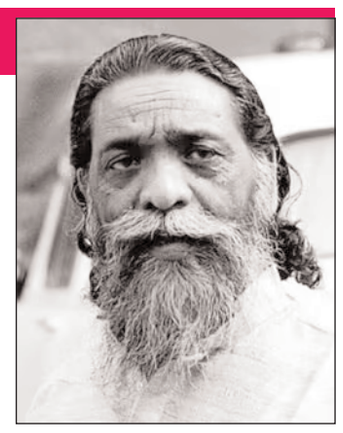

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का सोमवार को 81 साल की उम्र में निधन हो गया। वह पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती थे। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के संस्थापक सोरेन को 19 जुलाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनको किडनी संबंधी परेशानी थी। कुछ दिन पहले उनको वेंटीलेटर पर रखा गया था। उन्होंने सोमवार सुबह 8:56 बजे दम तोड़ा। उनके पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दिल्ली में हैं।

अस्पताल के नेफ्रोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ एके भल्ला ने बताया कि सोरेन की बाईपास सर्जरी अधिक उम्र में हुई थी, जिससे रिकवरी में समय लग रहा था। उन्होंने बताया कि उनको फेफड़े और किडनी संबंधी बीमारियों के अलावा डायबिटीज भी थी और हाल में उन्हें ब्रेन स्ट्रोक भी आया था। ब्रेन स्ट्रोक के बाद उनके बाएं शरीर में पैरालिसिस की शिकायत थी। उनके बेटे हेमंत और बहु कल्पना सोरेन एक हफ्ते से दिल्ली में थे।

पिता के निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत ने एक्स पर लिखा, आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सभी को छोड़कर चले गए हैं। आज मैं शून्य हो गया हूं... । शिबू सोरेन के निधन की सूचना पर पूरे झारखंड में शोक की लहर है। जेएमएम नेता से अस्पताल में लगातार अन्य राजनीतिक पार्टियों के नेता मिलने आ रहे थे। पिछले दिनों लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी आदिवासी नेता से मिलने पहुंचे थे। शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार झारखंड में होगा।

आदिवासी अधिकारों की लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाने वाले शिबू सोरेन को गुरुजी कहा जाता था। वे जेएमएम के संस्थापक नेताओं में रहे हैं और राज्य की मुहिम को नेतृत्व दिया था। वे राज्य के 3 बार मुख्यमंत्री रहे हैं और 2004 में मनमोहन सिंह की सरकार में कोयला मंत्री बने थे। हालांकि, चिरूडीह कांड में गिरफ्तारी का वारंट जारी होने के बाद उन्हें मंत्रीमंडल से 24 जुलाई, 2004 को इस्तीफा देना पड़ा था। वे 7 बार लोकसभा सांसद रहे। सोरेन के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताते हुए एक्स पर लिखा, शिबू सोरेन जी एक जमीनी नेता थे, जिन्होंने जनता के प्रति अटूट समर्पण के साथ सार्वजनिक जीवन में ऊंचाइयों को छुआ। वे आदिवासी समुदायों, गरीबों और वंचितों के सशक्तिकरण के लिए विशेष रूप से समर्पित थे। उनके निधन से दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी से बात की और संवेदना व्यक्त की। ओम शांति।

शिबू सोरेन को 'दिशोम गुरु' कहने लगे थे झारखंड के लोग

सूदखोरों के खिलाफआंदोलन चलाकर शिबू सोरेन चर्चा में आए, लेकिन महाजनों को अपना दुश्मन बना लिया। शिबू को रास्ते से हटाने के लिए महाजनों ने भाड़े के लोग जुटाए। उन दिनों आदिवासियों को जागरूक करने के लिए शिबू सोरेन बाइक से गांव-गांव जाते थे। इसी दौरान एक बार उन्हें महाजनों के गुंडों ने घेर लिया। बारिश का मौसम था। बराकर नदी उफान पर थी। शिबू सोरेन समझ गए कि अब बचना मुश्किल है। उन्होंने आव देखा न ताव, अपनी रफ्तार बढ़ाई और बाइक समेत नदी में छलांग लगा दी। सभी को लगा उनका मरना तय है, लेकिन थोड़ी देर बाद शिबू तैरते हुए नदी के दूसरे छोर पहुंच गए। लोगों ने इसे दैवीय चमत्कार माना। आदिवासियों ने शिबू को 'दिशोम गुरु' कहना शुरू कर दिया। संताली में दिशोम गुरु का अर्थ होता है देश का गुरु।

मोहम्मद-कृष्णा के आगे घुटने टेका इंग्लैंड

ओवल टेस्ट जीतकर भारत ने सीरीज की बराबर

शुभमन गिल और हैरी ब्रूक चुने गए प्लेयर ऑफ द सीरीज

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने ओवल में खेले गए सीरीज के 5वें और आखिरी टेस्ट में इंग्लैंड क्रिकेट टीम को 6 रन से हरा दिया। जीत के लिए मिले 374 रन के लक्ष्य को मेजबान टीम जो रूट (105) और हैरी ब्रूक (111) के शतकों के बावजूद हासिल नहीं कर सकी। इस जीत के साथ ही भारत ने 5 मैचों की सीरीज को 2-2 से बराबरी पर समाप्त किया। भारत ने अपनी पहली पारी में 224 रन बनाए। इंग्लैंड से गस एटकिंसन ने 5 विकेट लिए। जवाब में इंग्लैंड ने जैक क्रॉली (64) और हैरी ब्रूक (53) के अर्धशतकों की मदद से 247 रन बनाए। पहली पारी के आधार पर पिछड़ने वाली भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल (118) के शतक की बदौलत 396 रन बनाए। आखिर में इंग्लैंड से रूट और ब्रूक ने उम्दा पारियां खेलीं, लेकिन पूरी टीम 367 रन पर सिमट गई। इंग्लिश तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ने भारत की पहली पारी के दौरान 21.4 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 33 रन देते हुए 5 विकेट लिए। यह उनके टेस्ट करियर का चौथा और भारत के खिलाफ पहला ही 5 विकेट हॉल रहा। इसी तरह यह उनके टेस्ट करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी दर्ज हुआ। उन्होंने भारत की दूसरी पारी के दौरान 127 रन देते हुए 3 सफलताएं हासिल की। ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में जायसवाल ने शानदार शतकीय पारी (118) खेली। यह उनके टेस्ट करियर का छठा और इंग्लैंड की धरती पर दूसरा शतक रहा। इस टीम के खिलाफ टेस्ट में उन्होंने चौथा शतक लगाया। इंग्लैंड के खिलाफ यशस्वी ने अब तक 10 टेस्ट मैच खेले हैं और इसकी 19 पारियों में 62.38 की औसत के साथ 1,123 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 4 शतक और 5 अर्धशतक निकले हैं। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड की पहली पारी में 86 रन देते हुए 4 सफलताएं हासिल की।

इस दौरान उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 200 विकेट पूरे किए। सिराज ने नवंबर 2017 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक 101 मैचों की 134 पारियों में अपने 200 विकेट पूरे किए थे। वह एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे।

ब्रूक ने अपनी दूसरी पारी में 98 गेंदों में 111 रन बनाए। अपनी इस शतकीय पारी में उन्होंने 14 चौके और 2 छक्के लगाए। इंग्लैंड ने जब 106 रन के स्कोर पर अपना तीसरा विकेट खोया, तब ब्रूक क्रीज पर आए। उन्होंने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 39 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इस बीच उन्हें एक जीवनदान भी मिला, जिसका उन्होंने भरपूर फायदा उठाया। यह भारत के खिलाफ ब्रूक का दूसरा शतक रहा।

जीत के लिए मिले 374 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में जब 82 रन के स्कोर पर दूसरा विकेट खोया, तब रूट क्रीज पर आए। इस दिग्गज बल्लेबाज ने अपने चिर-परिचित अंदाज में एक छोर से डटकर बल्लेबाजी की। उन्होंने ओवल टेस्ट के चौथे दिन के आखिरी सत्र के

दौरान अपना शतक पूरा किया। यह रूट के टेस्ट करियर का 39वां शतक और भारत के खिलाफ 13वां शतक रहा। रूट अब टेस्ट क्रिकेट में चौथे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में श्रीलंका के पूर्व दिग्गज कुमार संगाकारा (38) को पीछे छोड़ा है। बता दें कि टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक सचिन तेंदुलकर (51) ने लगाया है।

राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट की फटकार, कहा- आपको कैसे पता कि चीनियों ने जमीन हड़पी

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चीन द्वारा जमीन हड़पने के उनके दावे पर फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी टिप्पणी नहीं करेंगे। साथ ही कोर्ट ने राहुल के खिलाफ आपराधिक मानहानि की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और एजी मसीह की पीठ ने गांधी की टिप्पणी पर मौखिक असहमति व्यक्त कर कहा कि आपको कैसे पता कि चीन ने जमीन हड़पी है? लाइव लॉ के मुताबिक, राहुल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट में दलील दी कि अगर विपक्ष का नेता मुद्दे नहीं उठा सकता तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी। सिंघवी ने कहा कि अगर वह प्रेस में छपी बातें नहीं कह सकते तो वह विपक्ष के नेता नहीं हो सकते। इस पर न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि आपको जो कुछ कहना है, संसद में क्यों नहीं कहते? सोशल मीडिया में पोस्ट कर ऐसा क्यों कहना है? राहुल के बयान पर असहमति जताते हुए न्यायमूर्ति दत्ता ने पूछा, आपको कैसे पता चला कि 2,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर चीनियों ने कब्जा कर लिया है?

क्या आप वहां थे, क्या आपके पास कोई विश्वसनीय सामग्री है? आप बिना सबूत के बयान क्यों दे रहे हैं? अगर आप सच्चे भारतीय होते, तो यह सब नहीं कहते। सिंघवी ने कहा, यह भी संभव है कि एक सच्चा भारतीय कहे कि 20 भारतीय सैनिकों को पीटा और मार दिया गया। जमीन हड़पने संबंधी बयान के मामले में राहुल के खिलाफ उत्तर प्रदेश में मामला दर्ज है, जिसमें निचली कोर्ट ने उन्हें समन जारी किया था।

31 लाख सामान्य और कमजोर वर्ग के उपभोक्ताओं को पहले की ही तरह हॉफबिजली बिल योजना का मिलेगा लाभ

हॉफ बिजली बिल योजना

रायपुर(समय दर्शन)। राज्य सरकार द्वारा हॉफ बिजली बिल योजना के अंतर्गत दी जाने वाली छूट की सीमा में युक्तियुक्त संशोधन किया गया है। अब प्रतिमाह दी जाने वाली 400 यूनिट की छूट के स्थान पर 100 यूनिट तक की मासिक खपत पर 50 प्रतिशत रियायत दी जाएगी।

वर्तमान में राज्य के 45 लाख घरेलू उपभोक्ताओं में से लगभग 31 लाख परिवार (करीब 70त्न) ऐसे हैं जिनकी खपत 100 यूनिट प्रतिमाह से अधिक नहीं है। अतएव हॉफ बिजली बिल की छूट सीमा के इस पुनरीक्षण के बावजूद इन 31 लाख जरूरतमंद सामान्य एवं कमजोर वर्ग के उपभोक्ता परिवारों को योजना का लाभ पहले की ही तरह मिलता रहेगा। प्रदेश के लगभग 70 प्रतिशत घरेलू उपभोक्ता परिवार हॉफबिजली योजना से पूर्ववत् लाभान्वित होते रहेंगे।

इन 31 लाख परिवारों में 15 लाख बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) परिवार भी शामिल हैं, जिन्हें पूर्ववत् हॉफबिजली बिल योजना का लाभ मिलता रहेगा। इन परिवारों को 30 यूनिट तक की मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत पहले की तरह प्राप्त होती रहेगी, साथ ही वे हॉफ बिजली बिल योजना के अन्य सभी लाभों से भी यथावत् लाभान्वित रहेंगे। राज्य सरकार गरीब परिवारों को बिजली खर्च में राहत देने के लिए प्रतिबद्ध है। है।

राज्य सरकार प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को गति दे रही है, जिसके अंतर्गत 3 किलोवॉट या उससे अधिक क्षमता के रूफटॉप सोलर प्लांट की स्थापना पर केंद्र सरकार से ?78,000/- तथा राज्य सरकार से ?30,000/- की कुल ?1,08,000/- तक की सब्सिडी दी जा रही है। 2 किलोवॉट क्षमता के सोलर प्लांट पर 75त्न (?90,000/-) का अनुदान उपलब्ध है, जिससे उपभोक्ता प्रतिमाह 200 यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन कर सकते हैं। यह उत्पादन वर्तमान में हॉफबिजली बिल योजना से मिलने वाली अधिकतम छूट (400 यूनिट पर 200 यूनिट की छूट) से भी अधिक

सत्येंद्र जैन को बड़ी राहत

चार साल चली जांच में नहीं मिले सीबीआई को भ्रष्टाचार के सबूत, कोर्ट ने बंद किया केस

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और पूर्व दिल्ली मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने कहा कि लंबी जांच के बावजूद कोई आपराधिक साक्ष्य नहीं मिला, जिसके आधार पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 या किसी अन्य अपराध के तहत मामला चलाया जा सके।

2019 में ईडी ने दर्ज की थी रिपोर्ट

सीबीआई ने 29 मई 2019 को दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय (डायरेक्टोरेट ऑफविजिलेंस) की शिकायत के आधार पर सत्येंद्र जैन, जो उस समय दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री थे और अन्य पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि जैन और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने नियमों का उल्लंघन करते हुए 17 सदस्यीय एक 'क्रिएटिव टीम' को अनियमित रूप से नियुक्त किया था। यह भी आरोप था कि इन नियुक्तियों के लिए मानक भर्ती प्रक्रिया को दरकिनार किया गया और असंबंधित परियोजना फंडों से भुगतान किया गया, जो वित्तीय नियमों का उल्लंघन था। लगभग चार साल की जांच के बाद, सीबीआई ने अप्रैल 2022 में अपनी क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी, जिसमें कहा गया कि जैन या अन्य आरोपियों के खिलाफ कोई आपराधिक साक्ष्य नहीं मिला। सीबीआई ने अपनी जांच में पाया कि न तो कोई व्यक्तिगत लाभ, रिश्वतखोरी, या आपराधिक मंशा का सबूत मिला और न ही दिल्ली सरकार को कोई वित्तीय नुकसान हुआ। जांच में यह भी पाया गया कि पेशेवरों की नियुक्ति की आवश्यकता उचित थी।

पद्मनाभपुर निवासी पूर्व टैक्स कंसल्टेंट हुकुमचंद बाफना की पत्नी श्रीमती निर्मला बाफना के निधन पश्चात उनके नेत्रों से दुनिया देख पाएंगे दो लोग

दुर्ग (समय दर्शन)। श्रीमती निर्मला बाफना के निधन के पश्चात उनके पति श्री हुकुमचंद बाफना, पुत्र विनय, विपिन एवं विकास बाफना पुत्री विभा, बहु रेखा ,ममता ,संजू बाफना ने नेत्रदान हेतु सहमति दी। समाचार मिलते ही नवदृष्टि फाउंडेशन के राज आढ़तिया, कुलवंत भाटिया, रितेश जैन, मंगल अग्रवाल, हरमन दुलई, राजेश पारख, जितेंद्र हासवानी, प्रभुदयाल उजाला सक्रीय हुए एवं नेत्रदान प्रक्रीया में सहयोग किया। श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज की डॉ संदीप बचकर व नेत्र सहायक विवेक कसार ने कॉर्निया कलेक्ट किय। श्रीमती निर्मला बाफना के पुत्र विपिन ने कहा आज माँ के जाने से पूरा परिवार सदमें में है लेकिन माँ के सत्कर्म थे कि उन्होंने जीते जी लोगों की भलाई की व् अब इस दुनिया से जाते जाते दो परिवारों को नेत्रों के माध्यम से नया जीवन दे गई इस नेत्रदान से हमारा परिवार व् समाज हमेशा प्रेरणा लेता रहेगा व् भविष्य में इसे अपनी परम्परा बनाएगा।

मंगल अग्रवाल ने कहा बाफना परिवार समाज का प्रतिष्ठित परिवार है अत: बाफ्ना परिवार के नेत्रदान के निर्णय से समाज के सभी वर्गों में जागरूकता बढ़ेगी व् भविष्य में इसके सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

नवदृष्टि फाउंडेशन के रितेश जैन ने कहा हमारी संस्था लगातार लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रही है जिसके सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं व लोगों की देहदान व नेत्रदान , त्वचादान हेतु सोच बदली है अब लोग स्वस्फूर्त ही देहदान व नेत्रदान हेतु सामने आ रहे हैं एवं यदि कोई देहदान या त्वचादान हेतु सहयोग या मार्गदर्शन चाहता है तो हमारी संस्था के सदस्यों से सहयोग ले सकता है या 9826156000/9827190500 इन नंबर पर फ़ोन कर मार्गदर्शन ले सकता है ।

नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से अनिल बल्लेवार ,कुलवंत भाटिया, राज आढ़तिया, प्रवीण तिवारी, मुकेश आढ़तिया, मंगल अग्रवाल, हरमन दुलई, रितेश जैन, जितेंद्र हासवानी, किरण भंडारी, उज्जवल पींचा ,सत्येंद्र राजपूत, सुरेश जैन, राजेश पारख, पीयूष मालवीय, दीपक बंसल ,विकास जायसवाल, मुकेश राठी, प्रभु दयाल उजाला, प्रमोद बाघ ,सपन जैन ,यतीन्द्र चावड़ा ,जितेंद्र कारिया , बंसी अग्रवाल, अभिजीत पारख, मोहित अग्रवाल, चेतन जैन, दयाराम टांक, विनोद जैन, राकेश जैन ने श्रीमती निर्मला बाफना को श्रद्धाँजलि दी व बाफना परिवार को साधुवाद दिया।

मानहानि मामले में कर्नाटक के मंत्री को बड़ा झटका, सुप्रीम कोर्ट ने अपील खारिज की

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कर्नाटक के मंत्री शिवानंद एस. पाटिल की अपील खारिज कर दी. यह अपील कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर की गई थी. हाईकोर्ट ने भाजपा विधायक बसनगौड़ा आर. पाटिल यतनाल के खिलाफ मानहानि का मामला खारिज कर दिया था. शिवानंद पाटिल ने इसी आदेश को चुनौती दी थी.

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की. मुख्य न्यायाधीश ने कहा, मैं हमेशा आप सभी से कहता हूं कि राजनीतिक लड़ाई अदालत के बाहर लड़ें, यहां नहीं. वकील ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के 28 सितंबर, 2024 के आदेश की आलोचना की और कहा कि भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत प्रक्रिया का पालन नहीं किए जाने के कारण यतनाल के मानहानि मामले को रद्द कर दिया था.

वकील ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि उनके मुवक्किल कैबिनेट स्तर के मंत्री हैं. सुप्रीम कोर्ट ने सवाल कि तो क्या हुआ? फिर आदेश दिया कि 25 हजार रुपये के जुर्माने के साथ खारिज किया जाता है. बाद में जुर्माने की राशि बढ़ाकर एक करोड़ रुपये कर दी. वकील के कहने पर पीठ ने जुर्माने की राशि माफ कर दी और अपील वापस लेने की अनुमति दे दी.

यह विवाद 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले एक रैली के दौरान यतनाल द्वारा दिए गए कथित बयान से जुड़ा है. पाटिल ने बीएनएसएस की धारा 223 के तहत आपराधिक मानहानि की कार्यवाही शुरू की थी. तर्क दिया था कि इन टिप्पणियों से उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है. उच्च न्यायालय ने यतनाल की याचिका स्वीकार करते हुए पाया कि मजिस्ट्रेट ने शिकायत का संज्ञान लेने के तरीके में प्रक्रियागत खामियां पाईं. उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया था कि मजिस्ट्रेट बीएनएसएस प्रावधानों का उचित रूप से पालन करने में विफल रहे, जिसके अनुसार संज्ञान लेने से पहले मजिस्ट्रेट को शिकायतकर्ता और गवाहों की शपथ के तहत जांच करनी चाहिए. आरोपी को नोटिस जारी करके सुनवाई का अवसर देना चाहिए. न्यायालय ने निष्कर्ष निकाला कि मजिस्ट्रेट ने प्रक्रियागत चरणों को पार कर लिया था. तदनुसार मानहानि का मामला रद्द कर दिया गया.

राजस्व लक्ष्य में विफलता पर दुर्ग निगम आयुक्त सख्त - 16 कर्मचारियों का वेतन रोका

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग में राजस्व वसूली में लगातार हो रही लापरवाही पर अब आयुक्त सुमीत अग्रवाल ने सख्त रुख अपना लिया है। आयुक्त द्वारा 28 जुलाई को राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक ली गई थी, जिसमें वसूली के निर्धारित लक्ष्यों की गंभीर समीक्षा की गई।

बैठक में यह स्पष्ट हुआ कि कर्मचारियों द्वारा लगातार निर्देशों के बावजूद भी वसूली का प्रतिशत काफी कम रहा, जिससे राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति प्रभावित हो रही है। आयुक्त ने इसे कार्य के प्रति लापरवाही और गैरजिम्मेदाराना रवैया मानते हुए कड़ी कार्रवाई करते हुए 16 कर्मचारियों का वेतन आगामी आदेश तक रोकने का निर्देश जारी कर दिया है। आयुक्त द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जब तक राजस्व वसूली में सुधार नहीं होता, तब तक यह निर्णय प्रभावी रहेगा।

जिन कर्मचारियों का वेतन रोका गया है, उनके नाम इस प्रकार हैं: लवकुश शर्मा, निर्मल चन्द्राकर, संकेत धर्मकार, नरेन्द्र मनहरे, विनित वर्मा, बलदाउ पटेल, सुनील कुमार यादव, विवेक सालवनकर, सिद्धांत शर्मा, विजेन्द्र पटेल, दीपक साहू, विनोद उपाध्याय, रतनदीप कसार, अनुपम ताम्रकार, लक्ष्य गोईर, पवन नायक है। यह आदेश नगर पालिक निगम दुर्ग के स्थापना

शाखा एवं राजस्व शाखा को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया है। आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लक्ष्यपूर्ति ही कर्मचारियों की जवाबदेही का पैमाना होगी।

संक्षिप्त समाचार

शिवभक्त कांवरियां भक्तों की हर मनोकामना पूरी करते हैं भगवान भोलेनाथ- जितेन्द्र तिवारी

बिर्रा - सावन का पवित्र महीना चल रहा है और शिवभक्त कांवरियां बंधु अपनी सामर्थ्य अनुसार विभिन्न जगहों पर पहुंच कर जलाभिषेक कर अपनी मनोकामना पूरी करते हैं।ऐसा ही नजारा हर साल की तरह सिद्धेश्वर महादेव मंदिर बड़गड़ी बम्हनीडीह में आखरी सोमवार को विशेष मेला आयोजित किया जाता है। जहां शिवभक्त कांवरियां बिर्रा स्थिति बसंतपुर महानदी संगम स्थल से जल लेकर पैदल या डाक बम् बोल बम् का नारा है बाबा एक सहारा है का जयघोष करते जलाभिषेक करते हैं।हर साल कि तरह बिर्रा में आये हुए कांवरियां भक्तों के लिए भोजन,खीर पूड़ी,नाश्ते और चाय की व्यवस्था विभिन्न संगठनों के युवाओं द्वारा की जाती है।इस वर्ष भी पंडित जितेन्द्र तिवारी द्वारा मारूति नंदन युवा संगठन बाजार चौक बिर्रा में भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की विधिवत शुभारंभ किया। और उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ अपने भक्तों की हर मनोकामना पूरी करते हैं। आएं हुए शिवभक्त कांवरियां बंधुओं की मंगलमय कामना की।इस अवसर पर राजमहल से जनपद सदस्य रितेश रमण सिंह, छोटू बाबा, सरपंच प्रतिनिधि एकादशिया साहू,व्यवसायी मणीलाल कश्यप, डॉ शुभम शुक्ला,चित्रभानू पांडेय, सुरेश कुमार, एकांश पटेल,कृष्णा साहू,मोहन साहू,दिलीप महंत, सुनील थवाईत, तरूण कहार, हेमंत साहू,मदन साहू, योगेश कुमार,बुदेश सिदार,अमित कश्यप,पींटू साहू,माधव,कौशलेश,राजू पुष्पेन्द्र,बरातू,रामेश्वर,रामदुलार साहू, दिगंबर साहू, रितेश रितेश्वर देवांगन सहित युवा संगठन के सदस्य शामिल हुए। बिर्रा थाना का विशेष योगदान रहा।साथ ही डीजे की धून पर देर रात तक धार्मिक शिव भक्तिमय वातावरण में शिवभक्त थिरकते रहे। बिर्रा में मंगल भवन,अनिल पान सेंटर, अभिषेक किराना दुकान,पीडी ज्वेलर्स,बस स्टैंड चौक सहित विभिन्न जगहों पर खीर पूड़ी नाश्ते चाय की व्यवस्था रही।सुबह जल भरकर सभी भक्त बड़गड़ी स्थिति महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया। वहां भी विशाल मेले का आयोजन किया गया और सभी शिवभक्तों को भोजन कराया गया।

शिवलिंग अभिषेक और श्रावण झूला उत्सव के साथ बछेरा शासकीय शाला में धार्मिक आयोजन संपन्न

मुंगेली(समय दर्शन)मुंगेली जिला अंतर्गत विकास खण्ड पथरिया के ग्राम पंचायत बछेरा शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला बछेरा में श्रावण मास के अंतिम सोमवार के पावन अवसर पर पंचद्रव्य से शिवलिंग अभिषेक एवं श्रावण झूले का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम लक्ष्मी कांत जड़ेजा (सहायक शिक्षक) व सरिता पांडेय (शिक्षिका) के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।इस अवसर पर सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं अत्यंत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सहभागी बने। छात्राओं देविका, चांदनी, नीलम, माही, प्रिया, हिमानी, श्वेता, सरिता, तीजिया, सविता, आशी, कविता, बुद्धेश्वरी, विधि, मीरा, खुशी, मानसी, मुस्कान द्वारा भगवान शिव के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए उपवास रखा गया। शिक्षिकाओं बम्लेश्वरी यादव एवं सरिता पांडेय ने भी उपवास रखकर अपनी सहभागिता दी।विद्यालय में छात्राओं द्वारा स्वयं निर्मित शिवलिंग लाए गए, जिनका विधिपूर्वक पंचद्रव्य (जल, दूध, दही, शहद व घी) से अभिषेक कर पूजा अर्चना की गई। कुमकुम, चंदन, पुष्प, गुलाल और दीपक से भगवान शिव की आराधना की गई। कार्यक्रम के दौरान लक्ष्मी कांत जड़ेजा, विनोद कुमार साहू, त्रिलोक कुमार साहू, सरिता पांडेय, बम्लेश्वरी यादव, जागेश्वर साहू (प्रधान पाठक), राजकुमार साहू (प्रधान पाठक) सहित समस्त शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने धार्मिक भावनाओं के साथ सहभागिता निभाई।शिवलिंग अभिषेक के उपरांत श्रावण झूले का आयोजन भी किया गया, जिसमें राधा-कृष्ण और माता यशोदा की पूजा कर झूला झुलाया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी को प्रसाद वितरित किया गया।इस आयोजन के माध्यम से विद्यालय में धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय मूल्यों की झलक देखने को मिली। विद्यार्थियों में अध्यात्म, भक्ति, संस्कार एवं सहभागिता की भावना उत्साहपूर्वक उभरी।

कलेक्टर-एसपी ने ली अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण की प्रस्तावित बैठक की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों की बैठक

सभी अधिकारी-कर्मचारी सौंपे गए दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना सुनिश्चित करें - कलेक्टर

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)/ मुख्यमंत्री एवं अध्यक्ष अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 07 अगस्त 2025 गुरूवार को अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण की बैठक जिले में प्रस्तावित है। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आवश्यक तैयारियों के संबंध में अधिकारियों की बैठक ली।

बैठक में कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि सभी तैयारी समय पर पूर्ण की जाए। कलेक्टर ने हेलीपेड, बेरिकेटिंग, मीटिंग से संबंधित प्रेजेंटेशन, माईक, बैठक व्यवस्था, विद्युत, पेयजल, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, आवागमन, रोड क्लियरेंस, प्रवेश पास आदि के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को समयसीमा में कार्य पूरा करने कहा गया। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने दायित्वों का निष्ठापूर्ण निर्वहन करे और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी व्यवस्था अधूरी न रहे।

पुलिस अधीक्षक श्री पांडेय ने सुचारु ट्रैफिक नियंत्रण एवं पार्किंग व्यवस्था हेतु पुलिस विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल की तैनाती, बेरिकेटिंग, एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स एवं अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में कमांडेंट श्री विमल बैस, जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेंद्र सिंह, अपर कलेक्टर श्री आर के तंबोली सहित विभिन्न अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही सेवा को चरितार्थ करते पाटन नगर पंचायत ने बूढ़ा तालाब में चलायी विशेष सफाई अभियान, दिया स्वच्छता का संदेश

पाटन (समय दर्शन)। नगर की स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आज प्रात: 7 बजे नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले के नेतृत्व में नगर के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व स्थल बूढ़ा तालाब (महामाया तालाब) का विशेष सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। यह तालाब पाटन की आराध्य देवी मां महामाया मंदिर के समीप स्थित है और श्रद्धालुओं के आस्था का केंद्र है। तालाब की सफाई के दौरान जल में उगे जलीय पौधों को हटाया गया, घाटों की सफाई की गई और मंदिर परिसर में भी स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले के नेतृत्व में तथा सीएमओ हेमंत वर्मा के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने कहा कि पाटन छत्तीसगढ़ का पहला ODF (Open Defecation Free) नगर है और वर्ष 2016 से निरंतर राष्ट्रीय स्वच्छता पुरस्कारों से सम्मानित होता आ रहा है। हाल ही में दिनांक 17 जुलाई 2025 को दिल्ली में आयोजित स्वच्छता सर्वेक्षण-2025 के कार्यक्रम में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा पाटन नगर पंचायत को देशभर में द्वितीय स्थान का पुरस्कार प्रदान किया गया, जो पाटन के प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व का विषय है। स्वच्छ और सुंदर पाटन हम सबकी जिम्मेदारी है। प्रत्येक नागरिक को चाहिए कि वह अपने घर एवं आस-पास के सार्वजनिक स्थलों की नियमित रूप से सफाई कर नगर को स्वच्छ बनाए रखने में योगदान दें।

सीएमओ हेमंत वर्मा ने कहा कि सभी ने एकजुट होकर स्वच्छता के इस संकल्प को न केवल निभाया, बल्कि एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया हैं। पाटन नगर पंचायत के हमारे सफाई मित्र भी पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वाहन कर रहे है और पाटन की हमारी जनता भी जागरूक नागरिक होने का परिचय लगातार दे रहे है। आप सभी के संयुक्त और सार्थक प्रयास से ही पाटन नगर पंचायत उत्कृष्टता के साथ प्रदर्शन कर रहा है। इस अभियान में सीएमओ हेमंत वर्मा, अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, उपाध्यक्ष निशा सोनी, सभापति ङ्क केवल देवांगन, जितेन्द्र निर्मलकर, देवेंद्र ठाकुर, पार्षद ङ्क चंद्रप्रकाश देवांगन, अन्नपूर्णा पटेल, स्वच्छता प्रभारी हुकुम देवांगन नगर पंचायत के कर्मचारी, सफाई मित्र, भाजपा पदाधिकारी, सदस्य एवं नगरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सांकरा में विकास कार्यों की रखी गई आधारशिला, सरपंच रवि सिंगौर ने सांसद विजय बघेल का जताया आभार

पाटन (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सांकरा में लोधी समाज सामुदायिक भवन में बाउंड्री वाल और निषाद समाज के सामुदायिक भवन का भूमिपूजन एवं ग्राम पंचायत झीट में लोधी भवन में किचन शेड तीन लाख,जय महावीर व्यायाम शाला में भवन निर्माण पांच लाख शामिल है

जहां कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा नेता संजय बघेल ,जिला पंचायत सभापति श्रीमती नीलम राजेश, जनपद पंचायत पाटन के अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक, उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर,पूर्व जनपद अध्यक्ष श्रीमती हर्षा लोकमनी चंद्राकर,जनपद सदस्य सीता निषाद सांसद प्रतिनिधि राजा पाठक, राजेश चंद्राकर के गरिमामई उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल के छोटे भाई संजय बघेल ने कहा कि आने वाले पांच साल में पाटन क्षेत्र में विकास की एक बड़ी सौगात मिलने वाली है लगातार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार में विकास की एक नई रूपेखा तैयार की जा रही है। लगातार पाटन विधान सभा में विकास कार्य किया जा रहा है ।इस अवसर सांकरा सरपंच रवि सिंगौर,उप सरपंच राम शरण बंधे पूर्व सरपंच यशवंत जांगड़े, झीट सरपंच राजू साहू,भाजपा नेता अजीत ठाकुर,पंच गण, संजय सिंगौर, तुलाराम सिंगौर, महेंद्र पारधी, दीपक सिंगौर, ईश्वरी सिंगौर,कविता सिंगौर, शुभम जांगड़े, चंदन सिंगौर सहित कामता सिंगौर,गोलू सिंगौर, वरुण सिंगौर,बिरसिंह सिंगौर, शिव कुमार सिंगौर, संतोष सिंगौर, मेहतर सिंगौर, बल्ला सिंगौर, नारद सिंगौर, नंदू सिंगौर, बसंत सिंगौर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

28 किलोमीटर दौड़कर चौथी डाक कांवड यात्रा छिपा लोधेश्वर महादेव पहुंची

राजनांदगांव (समय दर्शन)। सावन पर्व के चौथे सोमवार डाक कांवड यात्रा मोहरा शिवनाथ नदी से जल लेकर ग्राम छिपा पहुंची, जहां लोधी समाज के वरिष्ठों एवं छिपा ग्रामवासी के द्वारा डाक कांवड का भव्य स्वागत किया गया, जहां लोधी समाज के वरिष्ठ विष्णु लोधी, ओंकार लोधी, जीवन वर्मा लोधी के साथ समस्त लोधी परिवार मुख्य रूप से उपस्थित थे। इसी क्रम में हिंदू जागरण मंच ने नंदई चौक, गंज चौक एवं मानव मंदिर चौक में फूल बरसा कर डाक कांवरियों के साथ अन्य कांवरियों का स्वागत अभिनंदन किया।

हिंदू जागरण मंच के द्वारा डाक कावड़िया के लिए रास्ते मे जल की व्यवस्था भी की गई थी एवं सफाई कर्मचारियों एवं ट्राफिक पुलिस कर्मचारी को गुलाब फूल देकर उनका अभिनंदन किया गया।

आयोजनकर्ता शिवगण मां पाताल भैरवी बर्फानी धाम से राजेश मारू, श्री महाकाल मंदिर सिंघोला से पवन डागा, हिंदू जागरण मंच से सुशील लड्ढा शामिल थे।

आज चौथे सोमवार को विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्निहोत्री, राज बहादुर सिंह, छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के जिला अध्यक्ष विजय साहू, जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के जिला अध्यक्ष मनीष देवांगन सिटी बजाकर इस यात्रा को प्रारंभ किया।

जीवनदान सेवा संस्था ने बताया आज चौथे कांवड यात्रा मे बेटियो ने पूरे जोश के साथ गोल्ड मेडलिस्ट बेटी नीतू सलामे, किरण साहू एवं चेष्टा जंघेल ने बिना रुके 28 किलोमीटर दौड लगाई। जीवनदान सेवा साथ के प्रदेश महासचिव हरीश भानुशाली, प्रदेश उपाध्यक्ष अभय जंघेल, भारतभूषण वैष्णव, कोषाध्यक्ष अमर सिंह राजपूत, आनंद मुंदडा, राजनांदगॉव जिलाध्यक्ष अविनाश जैन, जिला उपाध्यक्ष अमित चौहान, शहर अध्यक्ष रिषभ मल्ल, संस्था के भिलाई टीम से योगेश्वर मानिकपुरी एवं नरेंद्र भाई भिलाई से राजनांदगांव पहुंचे थे। महेश्वर जंघेल एयस साहू, रितेश साहू, चंदन साहू, शशि साहू, स्वर्ण डीजे से राजा कुर्रे, राहुल साहू, सत्यम ओझा, शिवम ओझा, मिताली वर्मा, पूर्व जंघेल, ग्राम भाटापारा उपसरपंच दीपक वैष्णव, अनुज, नितिन, दुर्गेश, दिव्यांश, कमलेश डड़सेना आदि उपस्थित थे।

सांसद निधि से साहू समाज भवन, पहंदा (अ) में विकास कार्य होंगे - सांसद विजय बघेल ने आठ लाख की राशि स्वीकृत की,

पाटन (समय दर्शन)। साहू समाज के सामुदायिक भवन, पहंदा(अ) में विकास कार्यों की एक नई कड़ी जुड़ गई है। दुर्ग सांसद माननीय विजय बघेल ने अपनी सांसद निधि से ?8 लाख की राशि स्वीकृत करते हुए साहू भवन में किचन शेड और पेवर ब्लॉक निर्माण के लिए स्वीकृति हुई है। रविवार को विधिवत भूमिपूजन कर कार्य की शुरुआत की गई

।इस कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल के दिल्ली प्रवास के कारण उनके अनुज श्री संजय बघेल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सभापति श्रीमती नीलम चंद्राकर, भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख सुरेन्द्र साहू, मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर, पूर्व जनपद अध्यक्ष श्रीमती हर्षा चंद्राकर, सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, राजा पाठक, पूर्व मंडल अध्यक्ष लोकमणि चंद्राकर, महामंत्री कैलाश यादव, फेरहा राम धीवर,अशोक निषाद,तोरण साहू,राजेश वर्मा, मोहन साहू, प्रहलाद साहू सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पंचायत परिवार की ओर से सरपंच इसरावती ठाकुर, उपसरपंच द्वारिका वर्मा, पंच परमेश्वर यदु, कृष्णा साहू(नंदू) भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके अतिरिक्त सामाजिक प्रतिनिधि भारत साहू, दौलत साहू, प्रेमलाल, बलदेव, अश्वनी, कुंजलाल, अग्रहिज, रामनाथ, रामबगस, द्वौवा सहित सैकड़ों महिला एवं पुरुषों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की।

सतनाम मानव कल्याण समिति गुरुगद्दी गुरुद्वारा खैरासेतगंगा धाम की प्रथम बैठक सम्पन्न

मुंगेली(समय दर्शन) सतनाम मानव कल्याण समिति, गुरुगद्दी गुरुद्वारा खैरासेतगंगा धाम की नवीन कार्यकारिणी की प्रथम बैठक संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत सभी पदाधिकारियों एवं समाजजनों द्वारा परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास मंदिर में माथा टेककर, पूजा-पाठ व जयकारों के साथ की गई।

समिति के सचिव सुखचंद भास्कर ने बाबा जी का जयकारा लगाकर बैठक का औपचारिक शुभारंभ किया और सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। इसके उपरांत समिति के संरक्षक चन्द्रभान बारमते (पूर्व विधायक) ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को बाबा गुरु घासीदास जी के बताए गए सत्य के मार्ग पर चलना है।उन्होंने मंदिर के आगामी विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विवाह समारोह हेतु नवीन भवन, एक बैठक-कमेटी हॉल, सांस्कृतिक मंच और भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण शीघ्र किया जाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आगामी कुछ दिनों में मीनीमाता पुण्यतिथि एवं 16 अगस्त को गुरु बालकदास साहेब की जयंती को भव्य रूप से मनाया जाएगा।इस अवसर पर समिति के सलाहकार नमक लाल भास्कर ने कहा कि मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण की विस्तृत रूपरेखा तैयार की जाएगी और उसी अनुसार कार्यान्वयन किया जाएगा। अध्यक्ष मानीक लाल सोनवानी ने गुरु बालकदास साहेब को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और समाज को एकजुट होकर मंदिर ट्रस्ट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षा की अत्यधिक आवश्यकता है ताकि हमारे बच्चे भविष्य में कलेक्टर, डॉक्टर, अधिकारी, नेता और समाजसेवी बन सकें। पूर्व अध्यक्ष शत्रुहन टोन्डर ने भी विचार व्यक्त करते हुए कार्यकारिणी सदस्यों की सूची में और नए सदस्यों को जोड़ने का सुझाव दिया, जिसे सभी पदाधिकारियों ने सहर्ष स्वीकार किया।बैठक में आपसी भाईचारे और सहयोग की भावना से कार्य करने पर सर्वसम्मति बनी। बैठक में समिति के संरक्षकगण चन्द्रभान बारमते, रघुनंदन टोन्डर, सलाहकार नमक लाल भास्कर, अध्यक्ष मानीक लाल सोनवानी, उपाध्यक्ष कुलेश्वर बारमते, पुनाराम टोन्डर, जगमोहन मिरी, त्रिवेंद्र जोगवंशी, खेलू बर्मन, गेंदराम बनर्जी, रामकुमार बंजारा, उमेंद्र बंजारा, जैतराम खांडे, सुरेन्द्र बंजारा, बोगी बारमते, कुंजन सतनामी, सेवाक राम कुर्रे, फगु घृत्तलहरे, मनोहर मोहले, जैतकुमार सतनामी, अखिल टोन्डर, शत्रुहन टोन्डर, कमल टोन्डर, बसंत चतुरवैदी, दिपेंद्र घृत्तलहरे, जय ओगरे, राधे टोन्डर, सीताराम टोन्डर, बिरेंद्र भास्कर, महाजन, जयसिंह, तुलसी, मोहनदास, बबला समेत बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

15 लाख बीपीएल परिवारों को मिलती रहेगी मुफ्त बिजली की सुविधा, सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम

छत्तीसगढ़ की पुनरीक्षित हॉफबिजली बिल योजना से 31 लाख सामान्य और कमजोर वर्ग के उपभोक्ताओं को मिलेगा पूर्ववत लाभ

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को राहत देने वाली हॉफ बिजली बिल योजना के अंतर्गत दी जाने वाली 400 यूनिट की मासिक छूट की सीमा में युक्तियुक्त संशोधन करते हुए अब 100 यूनिट तक की मासिक खपत पर 50 प्रतिशत की रियायत देने का निर्णय लिया है। वर्तमान में राज्य में लगभग 45 लाख घरेलू उपभोक्ता परिवार हैं, जिनमें से 31 लाख परिवारों की मासिक खपत 100 यूनिट से कम है। यह लगभग 70 प्रतिशत उपभोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करता है। अत: इस संशोधन के बावजूद, इन 31 लाख जरूरतमंद सामान्य एवं कमजोर वर्ग के उपभोक्ताओं को योजना का लाभ पूर्ववत मिलता रहेगा। इन 31 लाख परिवारों में 15 लाख बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) परिवार भी शामिल हैं, जिन्हें पूर्ववत 30 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलती रहेगी। इसके साथ ही वे हॉफ बिजली बिल योजना के तहत अन्य सभी लाभों से भी यथावत लाभान्वित रहेंगे।

राज्य सरकार प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को भी तेज़ी से लागू कर रही है, जिसके अंतर्गत उपभोक्ताओं को रूफ्टॉप सोलर प्लांट स्थापित करने पर केंद्र और राज्य सरकारों से अधिकतम 1,08,000/- तक की सब्सिडी दी जा रही है इस योजना के तहत 1 किलोवॉट क्षमता के सोलर प्लांट से प्रतिमाह औसतन 120 यूनिट बिजली उत्पादन होता है, जिस पर ?30,000 केंद्र से व ?15,000 राज्य से, कुल ?45,000 की वित्तीय सहायता दी जाती है। उपभोक्ता को लगभग 15,000 स्वयं वहन करने होते हैं।

इसी प्रकार 2 किलोवॉट प्लांट के लिए प्रतिमाह औसतन 240 यूनिट उत्पादन संभव है, जिस पर ?90,000 तक कुल सब्सिडी (60,000 केंद्र + 30,000 राज्य) मिलती है। उपभोक्ता को केवल 30,000 खर्च करना होता है।

3 किलोवॉट क्षमता के प्लांट से प्रतिमाह औसतन 360 यूनिट उत्पादन संभव है, और इसमें ?78,000 केंद्र + 30,000 राज्य यानी कुल ?1,08,000 की सहायता मिलती है। उपभोक्ता को 72,000 वहन करना पड़ता है, जो ऋण पर भी उपलब्ध है।

उल्लेखनीय है कि 2 किलोवॉट या अधिक क्षमता वाले प्लांट लगाने वाले उपभोक्ता प्रतिमाह 200 यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन 25 साल तक कर सकते हैं, जो हॉफ बिजली योजना से मिलने वाली अधिकतम छूट (400 यूनिट पर 200 यूनिट रियायत) से भी ज्यादा है। ऐसे उपभोक्ता अपने घर में सौर ऊर्जा से उत्पन्न विद्युत का उपयोग कर न सिर्फ बिजली खर्च से मुक्ति पा सकते हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में प्रवाहित कर आय भी अर्जित कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली, स्थायी बचत और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करेगी। साथ ही, पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व निभाने की दिशा में भी यह एक बड़ा कदम साबित होगा। इससे छत्तीसगढ़ के उपभोक्ता हॉफबिजली बिल से मुफ्त बिजली बिल योजना की ओर स्वाभाविक रूप से अग्रसर होंगे। उपभोक्ता किसी भी योजना पर निर्भर न रहते हुए स्वयं अपनी छत पर ऊर्जा उत्पादन कर उर्जादाता बनेंगे। यह रणनीतिक पहल राज्य को स्वच्छ ऊर्जा, आर्थिक बचत और ऊर्जा स्वतंत्रता की दिशा में आगे बढ़ाएगी।

शक्ति पंप्स का 2026 की पहली तिमाही में निर्यात वृद्धि के साथ शानदार प्रदर्शन

इंदौर, मध्यप्रदेश (भारत)। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड (एसपीआईएल) ने 30 जून 2025 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित किए। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन श्री दिनेश पाटीदार ने कंपनी के प्रदर्शन पर कहा, वित्तीय वर्ष 2026 की मजबूत शुरुआत की घोषणा करते हुए हमें खुशी हो रही है, जो हमारे डाइवर्सिफाइड बिज़नेस मॉडल की ताकत को दिखाती है। इस तिमाही में हमारा प्रदर्शन सोलर पंप सेगमेंट में मजबूत निष्पादन, निरंतर निर्यात वृद्धि और क्षमता एवं तकनीक में दीर्घकालिक निवेश से प्रेरित रहा। हम पीएम-कुसुम योजना में लगभग 25त्न बाजार हिस्सेदारी के साथ प्रमुख भारतीय कृषि राज्यों में अग्रणी बने हुए हैं। 1 अगस्त 2025 तक हमारी ऑर्डर बुक लगभग ?13,50करोड़ रही, जिसे महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और झारखंड जैसे राज्यों से स्थिर ऑर्डर का समर्थन मिला है। उन्होंने आगे कहा, रूफ्टॉप सोलर सेगमेंट को पीएमसूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना जैसी सरकारी पहलों से तेजी मिल रही है। हम इस क्षेत्र में अपनी मौजूदगी लगातार बढ़ा रहे हैं, साथ ही घरेलू, औद्योगिक और ईवी सेगमेंट में भी प्रयास जारी हैं। हमारा निर्यात कारोबार पिछले चार वर्षों में लगभग 25त्न की दर से बढ़ते हुए एक प्रमुख विकास का कारणबना हुआ है। हैती, युगांडा, बांग्लादेश और नेपाल में सफल प्रोजेक्ट्स तथा अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीका से बढ़ती मांग के साथ, हमें इस गति को बनाए रखने की अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा है।

हिमालया वेलनेस ने भारत के नंबर 1 फेस वॉश को नया रुप दिया - नए 5 पाट्र्स ऑफ़नीम फॉर्मूला के साथ

रायपुर । प्राकृतिक देखभाल उत्पादों की अग्रणी कंपनी हिमालया वेलनेस ने पिंपल केयर के नियमों को नए सिरे से परिभाषित किया है। 25 वर्षों से देश में पिंपल-प्रोन स्किन के लिए सबसे पसंदीदा समाधान बने रहने के बाद प्रतिष्ठित हिमालया प्यूरीफाइंग नीम फेस वॉश अब पुन: तैयार है, नए रूप में, और पिंपल्स की समस्या से निजात दिलाने के लिए तैयार है। अब 5- पाट्र्स ऑफ़नीम फॉर्म्युलेशन के साथ उन्नत ब्रांड का प्रमुख फेस वॉश त्वचा की देखभाल की सबसे निराशाजनक चुनौतियों में से एक से निपटने के लिए एक साहसिक कदम आगे बढ़ाता है, बार-बार होने वाले पिंपल्स। दो दशकों से भी ज़्यादा समय से, हिमालया नीम फेस वॉश पिंपल-प्रोन स्किन के लिए भारत का सबसे भरोसेमंद विकल्प रहा है। हालांकि ज़्यादातर फेस वॉश पिंपल्स के इलाज पर ध्यान देते है, लेकिन बार-बार पिंपल्स से पीड़ित होना आज एक अनसुलझी समस्या बनी है- जिसे अक्सर अपरिहार्य मान लिया जाता है। नवीनतम रूप में पेश किया गया यह फेस वॉश इस सोच को बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह 5 पावरफुल पाट्र्स ऑफ द नीम प्लांट— परिपक्व पत्तियों, कोमल पत्तियों, फूल, फल और तने से युक्त है- नया फॉर्मूला सफाई से आगे बढ़कर पिंपल्स के चक्र को तोड़ने और उन्हें दोबारा होने से रोकने में मदद करता है। राजेश कृष्णमूर्ति, बिज़नेस डायरेक्टर ङ्क कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स डिवीज़न, हिमालया वेलनेस कंपनी, ने कहा, 25 वर्षों से हिमालया नीम फेस वॉश देशभर के करोड़ों लोगों की त्वचा की देखभाल के लिए भरोसेमंद साथी रहा है।

कान्यकुब्ज सभा-शिक्षा मंडल ने मनाई रविशंकर शुक्ल और विद्याचरण शुक्ल जयंती

रायपुर। कान्यकुब्ज सभा-शिक्षा मंडल द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पं. रविशंकर शुक्ल तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री पं. विद्याचरण शुक्ल की जयंती भावपूर्ण श्रद्धांजलि के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन सुबह 9:30 बजे हुआ, जिसमें समाज के सदस्यों ने दोनों विभूतियों के योगदान को स्मरण किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सभा अध्यक्ष सुरेश मिश्रा ने की। इस अवसर पर सचिव राज कुमार दीक्षित, कोषाध्यक्ष शरद शुक्ला, उपाध्यक्ष संजय अवस्थी, सहसचिव प्रमोद कुमार मिश्रा एवं अनुराग पाण्डेय समेत समाज के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।

समारोह में वक्ताओं ने पं. रविशंकर शुक्ल के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान, प्रशासनिक दूरदृष्टि और राज्य निर्माण में निभाई भूमिका पर प्रकाश डाला, वहीं पं. विद्याचरण शुक्ल के सशक्त राजनीतिक जीवन और शहादत को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

जयशंकर तिवारी, रविन्द्र मिश्रा और संजय अवस्थी ने अपने संस्मरणों से श्रोताओं को भावुक कर दिया। आभार प्रदर्शन सहसचिव प्रमोद कुमार मिश्रा ने किया।

इस आयोजन में बड़ी संख्या में विप्र समाज के सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें गिरजा शंकर दीक्षित, प्रकाश अवस्थी, विकास तिवारी, आशीष बाजपेई, गौरव शुक्ला, श्रीमती वसुधा तिवारी, श्रीमती शीतल मिश्रा, एवं राजेश त्रिवेदी सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे। सभा ने यह संकल्प लिया कि भविष्य की पीढ़ियों को इन महापुरुषों के आदर्शों से जोड़ने के लिए हर वर्ष इस तरह के आयोजन किए जाते रहेंगे।

दादागुरुदेव को फ़्रेंडशिप बेल्ट बांधकर बच्चों ने लिया सद्गुणों के विकास का संकल्प

रायपुर। जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में रविवार प्रात: बच्चों ने फ़्रेंडशिप डे मनाते हुए दादागुरुदेव को फ़्रेंडशिप बेल्ट बांधा, और जीवन में सद्गुणों के विकास का संकल्प लिया।

सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि जीवन में मित्रता गुरुदेव से करना श्रेष्ठ है। आज सैकड़ों बच्चों ने भी दादागुरुदेव से फ़्रेंडशिप बेल्ट बांधकर जीवन में सत्य, करुणा, दया, सदाचार गुणों के विकास की प्रार्थना की। जैसे दादागुरुदेव ने उच्च संयम जीवन जिया था, दूसरों की भलाई के अनेक कार्य किये वैसे ही सांसारिक जीवन में हमारे उत्कृष्ट चरित्र का निर्माण होना चाहिए।

इस अवसर पर बच्चों ने एकदूसरे को भी फ़्रेंडशिप सूत्र बांधकर सदैव आपस में भाईचारे से रहने का वादा किया।

ट्रस्टी नीलेश गोलछा व डॉ योगेश बंगानी ने बताया कि सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में 21

दिवसीय दादागुरुदेव इक्तिसा जाप सतत जारी है । प्रतिदिन श्रद्धालुओं को कूपन से तीन विजेताओं को पुरस्कृत किया जाता है । प्रथम पुरस्कार स्व तनिष गोलछा के आत्मश्रेयार्थ सुशीला देवी पदम् चंद गोलछा भैरव सोसायटी , द्वितीय ओम शुभम सेठिया शैलेन्द्र नगर , तृतीय सुभाष चंद विजय कुमार पुगलिया टैगोर नगर की ओर से प्रदान किया जाता है । दादागुरुदेव इक्तिसा जाप की प्रस्तुति निर्मल पारख , विवेक बैद दीप्ती बैद , मंजू कोठारी , मधु पारख , पूनम बरमट , नेहा झाबक द्वारा की जाती है । प्रतिदिन संचालन खरतरगच्छ महिला मण्डल की राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीमति मंजू कोठारी द्वारा किया गया।

संक्षिप्त समाचार

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया

नई दिल्ली। स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड (एसजीएलटीएल) ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन दर्ज किया है, जो मजबूत रेवन्यू ग्रोथ और बेहतर प्रॉफिट मार्जिन के कारण संभव हुआ है। कंपनी ने दीर्घकालिक विस्तार का मार्ग प्रशस्त करने वाली रणनीतिक पहल भी की है। एसजीएलटीएल ने बायोकॉन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, सिंगापुर के साथ एक लॉंगटर्म एजेंसी एग्रीमेंट किया है, जिसके तहत सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया और थाईलैंड सहित प्रमुख दक्षिण पूर्व एशियाई बाजारों में बायोकॉन के कटर बेस को एसजीएलटीएल के निर्मित प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट संभव होगा। यह पार्टनरशिप न केवल कंपनी की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति को बढ़ाएगी, बल्कि एसजीएलटीएल की मैनुफैक्चरिंग कैपेसिटी को बायोकॉन के डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के साथ जोड़कर हाई-ग्रोथ इंडस्ट्रियल सेग्मेंट्स तक पहुँच भी खोलेगी। अपनी वैश्विक उपस्थिति को और मज़बूत करते हुए, एसजीएलटीएल ने दक्षिण कैरोलिना, अमेरिका में एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग इंक., की स्थापना की है, जो इंडस्ट्रियल मैनुफैक्चरिंग का एक उभरता हुआ केंद्र है। यह नई इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स एंड प्रोसेस इक्विपमेंट सेगमेंट ध्यान केंद्रित करेगी और इससे कंपनी को उत्तरी अमेरिकी बाज़ार में ग्राहकों के और करीब लाने, सप्लाई चैन एफिशिएंसी में सुधार लाने और विकास के नए अवसर खोलने की उम्मीद है। वित्तीय प्रदर्शन के संदर्भ में, एसजीएलटीएल ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 178 करोड़ रुपए की कुल आय दर्ज की, जो साल-दर-साल 23.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। एबिटडा 35 करोड़ रुपए रहा, जो साल-दर-साल 31.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, और 19.5 प्रतिशत का अच्छा एबिट्डा मार्जिन भी रहा।

सैमसंग ने भारत में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विजन एआई टीवी पर 'बिग सेलीब्रेशन, बिगर स्क्रीन' ब्लॉकबस्टर डील्सी की घोषणा की

गुरुग्राम। भारत के अग्रणी कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने स्वतंत्रता दिवस के जश्न पर 'बिग सेलीब्रेशन, बिगर स्क्रीन' कैंपेन की घोषणा की है। यह कैम्पेमन 1 से 31 अगस्त, 2025 तक चलेगा और देशभर के रिटेल स्टोर्स और ऑनलाइन प्लेटफॉम्र्स पर उपलब्ध रहेगा। इस दौरान ग्राहक सैमसंग के विज़न एआई से लैस बिग टीवी पर आकर्षक ऑफर्स के साथ अपने होम एंटरटेनमेंट का स्तर अपग्रेड कर सकेंगे। सैमसंग का यह एडवांस विज़न एआई टीवी पिक्चर, साउंड और कंटेंट को यूज़र की पसंद के अनुसार खुद-ब-खुद ऑप्टिमाइज़ कर एक रिफाइंड और इमर्सिव होम एन्ट रटेनमेंट एक्सपीरियंस देता है। पिछले कुछ वर्षों में सैमसंग ने त्योहारी खरीदारी को ग्राहकों के लिए अधिक लाभकारी बनाने में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने इस बार अपने 55 इंच और उससे बड़े नियो त्तरुश्वष्ठ, हृरुश्वष्ठ, त्तरुश्वष्ठ और क्रिस्टल 4य़ ।॥ष्ठ टीवी मॉडल्स पर जबरदस्त ऑफर पेश किए हैं। इनमें 93,000 रूपए तक का साउंडबार या 2,05,000 रूपए तक का टीवी एकदम मुफ्त मिल सकता है। यह पहल न केवल अत्याधुनिक तकनीक और बेहतरीन व्यूइंग का वादा करती है, बल्कि ग्राहकों को बेहतर वैल्यू देने की सैमसंग की प्रतिबद्धता भी दर्शाती है।

भारत की पहली एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी, एआरसीआईएल ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

रायपुर। एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया) लिमिटेड , जो भारत में एसेट रिकंस्ट्रक्शन उद्योग की अग्रणी और पहली स्थापित एआरसी, है, ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड में अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। इस आईपीओ में 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले अधिकतम 10,54,63,892 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव है। इसमें शामिल हैं: एवेन्यू इंडिया रिसर्जेंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 68,739,034 इक्विटी शेयर, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा 10 रुपये अंकित मूल्य के 19,445,000 इक्विटी शेयर, लेथ इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 10 रुपये अंकित मूल्य के 16,244,858 इक्विटी शेयर और फेडरल बैंक लिमिटेड द्वारा 10 रुपये अंकित मूल्य के 1,035,000 इक्विटी शेयर। 2002 में स्थापित एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया) लिमिटेड भारत की पहली एआरसी थी और पिछले दो दशकों से संचालन में है। 31 मार्च 2024 तक, एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया) लिमिटेड का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट 15,230.031 करोड़ रुपये था, जिससे यह देश की दूसरी सबसे बड़ी एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी बनी। निजी एआरसी में इसकी नेटवर्थ 2462.511 करोड़ रुपये थी, जो दूसरी सबसे ऊंची थी। एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया) लिमिटेड तीन बिज़नेस वर्टिकल्स ङ्क कॉरपोरेट लोन, एसएमई और अन्य लोन, तथा रिटेल लोन ङ्क में काम करती है।

एक्सटेलिफ़ाय बाय एयरटेल ने भारतीय व्यवसायों के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को गति देने के लिए नई डिजिटल क्षमताओं को किया लॉन्च

गुरुग्राम (भारत): एक्सटेलिफ़ाय, जो भारती एयरटेल ('एयरटेल') की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और एयरटेल की सभी डिजिटल संपत्तियों और क्षमताओं का संचालन करती है, ने 'एयरटेल क्लाउड' नाम से एक स्वायत्त (सोवरेन), टेल्को-ग्रेड क्लाउड प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। यह क्लाउड प्लेटफॉर्म एयरटेल की भारत में आंतरिक ज़रूरतों के लिए प्रति मिनट 140 करोड़ ट्रांज़ैक्शन संभालने के लिए डिज़ाइन किया गया है, और अब इसे देश की कंपनियों की लगातार बढ़ती डिजिटल ज़रूरतों को पूरा करने के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। यह प्लेटफॉर्म अगली पीढ़ी के सस्टेनेबल डेटा सेंटर्स पर होस्ट किया गया है, जिसमें जनरेशन-एआई आधारित प्रोविज़निंग की सुविधा है और इसे 300 प्रमाणित क्लाउड एक्सपट्र्स संचालित करते हैं। यह बेहद सुरक्षित और भरोसेमंद सेवा है, जो आईएएएस , पीएएएस और एडवांस कनेक्टिविटी जैसी सेवाएं प्रदान करती है। यह क्लाउड व्यवसायों को डेटा माइग्रेशन की सुरक्षा, आसान स्केलेबिलिटी, कम लागत और विक्रेता-निर्भरता से मुक्त (नो वेंडर लॉक-इन) जैसे लाभ देता है। एक्सटेलिफ़ाय ने एक एआई-समर्थित, भविष्य के लिए तैयार सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म भी लॉन्च किया है, जो दुनियाभर की टेलीकॉम कंपनियों को तकनीकी जटिलताओं से मुक्ति दिलाने, कस्टमर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने, ग्राहक बनाए रखने (चर्न को कम करने) और प्रति ग्राहक औसत आय (एआरपीयू) बढ़ाने में मदद करेगा। यह समाधान टेलीकॉम वैल्यू चेन के हर पहलू पर ध्यान देता है। इसमें एक एकीकृत डेटा इंजन शामिल है।

मरीज को 31 जुलाई की रात रेबीज इंसेफेलाइटिस के लक्षणों के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया था

रेबीज से संक्रमित मरीज की मौत, अंबेडकर अस्पताल ने जारी किया तथ्यात्मक बयान

रायपुर। डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर में रेबीज से पीड़ित 38 वर्षीय मरीज संतोष ध्रुव की मौत हो गई। मरीज को 31 जुलाई की रात रेबीज इंसेफेलाइटिस के लक्षणों के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल प्रबंधन ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पूरी घटना की तथ्यात्मक जानकारी दी है।

सात महीने पहले कुत्ते ने काटा, नहीं लगवाया टीका

बिलासपुर जिले के पंडरिया तखतपुर निवासी संतोष ध्रुव को सात महीने पहले एक कुत्ते ने काट लिया था, लेकिन उसने चिकित्सकीय सलाह की अनदेखी करते हुए एंटी रेबीज वैक्सीन नहीं लगवाया। इसके बजाय उसने घरेलू उपचार पर भरोसा किया। समय के साथ उसकी सेहत बिगड़ने लगी, और 31 जुलाई को पानी से डर लगना (हाइड्रोफोबिया),

चिड़चिड़ापन, और आक्रामक व्यवहार जैसे रेबीज के लक्षण सामने आए। तब परिजनों ने उसे रायपुर के अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया।

आइसोलेशन वार्ड से बाहर पाया गया मरीज, फिर हुई मौत

2 अगस्त की सुबह करीब 7 बजे नर्सिंग स्टाफ को सूचना मिली कि मरीज अपने आइसोलेशन कक्ष में मौजूद नहीं है। खोजबीन के बाद मरीज कोविड वार्ड के पास बैठा मिला, उसके चेहरे पर चोट और पैरों में दर्द की शिकायत थी। मरीज सामान्य स्थिति में परिजनों से बात भी कर रहा था।

चोट की गंभीरता को देखते हुए मरीज को श्वह्लञ्ज, सर्जरी और ऑर्थो विभाग में दिखाने का निर्देश दिया गया, साथ ही ष्टञ्ज स्कैन की भी योजना थी, लेकिन रेबीज के प्रभाव से मरीज इतना आक्रामक हो गया कि जांच नहीं हो सकी। मरीज को दोबारा आइसोलेशन कक्ष में शिफ्ट किया गया, जहां दोपहर 12:30 बजे उसकी मौत हो गई।

मीडिको लीगल प्रक्रिया और पोस्टमॉर्टम

चूंकि मरीज रेबीज के उपचार के दौरान वार्ड से बाहर और घायल अवस्था में मिला था, इसलिए मामला मेडिको लीगल के तहत लिया गया और पुलिस को सूचना दी गई। शव को रेबीज प्रोटोकॉल के तहत मर्चुरी में शिफ्ट किया गया और 3 अगस्त को पोस्टमॉर्टम किया गया। पोस्टमॉर्टम टीम को सावधानी के तौर पर वैक्सीनेशन भी कराया गया है।

अस्पताल का बयान

अस्पताल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी आवश्यक मेडिकल औपचारिकताएं पूरी की गईं, परिजनों को भटकाया नहीं गया, और मौत के कारणों को लेकर कोई तथ्य नहीं छुपाया गया है। बयान में कहा गया है कि यह मामला रेबीज जैसे जानलेवा संक्रमण के प्रति जनजागरूकता और समय पर वैक्सीनेशन की आवश्यकता को दर्शाता है।

यह घटना एक बार फिर से दर्शाती है कि कुत्ते के काटने के बाद एंटी रेबीज वैक्सीन न लगवाना कितना घातक हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि जानवरों के काटने पर तुरंत चिकित्सा सहायता लें और टीकाकरण जरूर कराएं।

संपादकीय

धनखड़ का इस्तीफा अटकलों का बाजार गर्म

केंद्र सरकार ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को अधिसूचित कर दिया। एक दिन पहले ही धनखड़ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिख कर स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए तत्काल प्रभाव से पद छोड़ने की जानकारी दी थी। हाल में उनकी एम्स में एंजियोप्लास्टी हुई थी। बीते मार्च में उन्हें अपस्पताल में भर्ती कराया गया था। धनखड़ (74) ने अगस्त, 2022 में उपराष्ट्रपति का पदभार संभाला था, और उनका कार्यकाल 2027 तक था। उनका इस्तीफा संसद के मानूसन सत्र के पहले दिन आया। बीच कार्यकाल में इस्तीफा देने के कारण धनखड़ विदाई भाषण भी नहीं दे पाए क्योंकि पांच वर्षीय कार्यकाल पूरा करने वाले उपराष्ट्रपति ही विदाई भाषण दे सकते हैं। धनखड़ के इस्तीफे के साथ ही अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। कांग्रेस चाहती है कि इस्तीफे के वास्तविक कारणों का खुलासा होना चाहिए क्योंकि स्वास्थ्य कारण गिनाया जाना गले नहीं उतर रहा। सरकार ने जिस तरह ठंडेपन से उनके इस्तीफे भर की सूचना शेयर की है, उससे विपक्ष शंकालु है। गौरतलब है कि विपक्ष ने पिछले साल धनखड़ पर कथित पक्षपात का आरोप लगाते हुए पद से हटाने के लिए अभियान चलाया था। आज वही विपक्ष एकजुट होकर धनखड़ के इस्तीफे को लेकर सत्तारूढ़ पार्टी पर हमलावर हो गया है। बहरहाल, धनखड़ का कार्यकाल तमाम विरोधाभासों से भरा रहा। कई बार वे सत्ता पक्ष के प्रवक्ता की तरह आचरण करते भी दिखे। ऐसा भी हुआ जब उन्होंने सरकार की आलोचना तक की। किसानों के मसले पर एक कार्यक्रम में कृषि मंत्री को खरी-खरी भी सुनाई। पहलगाम आतंकी हमला और जस्टिस यशवंत वर्मा के मुद्दे को लेकर सदन में चर्चा कराए जाने संबंधी उनके रुख ने सत्ताधारी पार्टी के लिए शर्मनाक स्थिति पैदा कर दी थी। धनखड़ से सरकार की नाराजगी का एक संकेत सोमवार को भी दिखा जब राज्य सभा की कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में सदन के नेता जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू अनुपस्थित रहे। कांग्रेस इस्तीफे को दाल में कुछ काला बता रही है। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे से हरियाणा और राजस्थान में कुछ लोग आरोप लगा रहे हैं कि सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार समुदाय विशेष विरोधी है यानी आने वाले दिनों में सरकार के खिलाफ एक राजनीतिक मोर्चा भी खुल सकता है।

यौन गतिविधियों का पूर्ण अपराधीकरण को चुनौती

न्याय मित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने सहमति से शारीरिक संबंध बनाने के लिए वैधानिक उम्र 18 वर्ष से घटा कर 16 वर्ष करने की शीर्ष अदालत से सिफारिश की है। चर्चित 'निपुण सक्सेना बनाम भारत संघ' मामले में सुप्रीम कोर्ट की सहायता करने वाली न्यायमित्र इंदिरा जयसिंह ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो), 2012 और आईपीसी की धारा 375 के तहत 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोर एवं किशोरियों से जुड़ी यौन गतिविधियों का पूर्ण अपराधीकरण करने को चुनौती देते हुए अपनी लिखित प्रस्तुतियां दी हैं। दलील दी है कि वर्तमान कानून किशोरों के बीच सहमति से बनाए गए प्रेम संबंधों को अपराध मानता है, और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। अपनी स्थापना के पक्ष में उन्होंने जोरदार तर्क रखा है कि कानूनी ढांचा किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों को गलत तरीके से दुर्व्यवहार के बराबर मानता है तथा उनकी स्वायत्तता, परिपक्वता और सहमति देने की क्षमता को अनदेखा करता है। सहमति की आयु 16 से बढ़ा कर 18 वर्ष करने को उचित ठहराने के लिए कोई तर्कसंगत कारण या अकाट्य आंकड़ा भी नहीं है। इसके अलावा, यह भी ध्यान दिलाया है कि आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 द्वारा आयु बढ़ाए जाने से पहले 70 वर्षों से अधिक समय तक आयु सीमा 16 वर्ष (शारीरिक संबंध बनाने के लिए सहमति की) ही रही थी। यह भी ध्यान दिलाया है कि आयु बिना किसी बहस के बढ़ा दी गई और ऐसा करते समय वर्मा समिति की सिफारिश की भी अनदेखी की गई। बेशक, यह सामयिक मुद्दा है, और इसे मौजूदा परिप्रेक्ष्य में ही देखा जाना चाहिए। आजकल किशोर समय से पहले ही यौवन प्राप्त कर लेते हैं, और अपनी पसंद के रोमांटिक और यौन संबंध बनाने में सक्षम होते हैं। फिर, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के निष्कषरें के साथ ही वैज्ञानिक एवं सामाजिक आंकड़ों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए जो बताते हैं कि किशोरों में यौन रुझान असामान्य नहीं हैं। आयु संबंधी मौजूदा व्यवस्था किशोरों की सामान्य चेष्टाओं और रुझानों का अपराधीकरण करती है। यह आंकड़ा भी हतप्रभ करने वाला है कि 2017-21 के बीच 16-18 आयु वर्ग के नाबालिगों पर पॉक्सो कानून के तहत अभियोजन में 180 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जो अन्यायपूर्ण प्रतीत होता है।

चर्चाओं में योगी, फड़नवीस

इन दिनों एक और फेवरिट टाइमपास उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के बारे में चर्चाओं का है। ये दो नेता ऐसे हैं, जिनको प्रधानमंत्री पद का दावेदार माना जा रहा है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के रास्ते का कांटा भी माना जा रहा है। यह भी माना जा रहा है कि अमित शाह किसी तरह से इन दोनों को ठिकाने लगाने के प्रयास में हैं। इस कयासबाजी को रोज यूट्यूब प्लेटफॉर्म के इन्फ्लूएंसर हवा दे रहे हैं। कई 'समझदार' लोग तो योगी आदित्यनाथ को ही अगला उप राष्ट्रपति बनवा रहे हैं। सोचें, 53 साल का उप राष्ट्रपति! ऐसे 'समझदार' लोगों की एक दूसरी जमात है, जो योगी को उप राष्ट्रपति नहीं बनवा रही है, बल्कि देश का रक्षा मंत्री बनवा रही है और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को देश का उप राष्ट्रपति। असल में पिछले दिनों योगी आदित्यनाथ दिल्ली आए तो उन्होंने तीनों दरबारों में हाजिरी लगाई। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिले। उनसे पहले दोनों उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य भी दिल्ली आए थे और अलग अलग जाकर अमित शाह से मिले थे। तभी कहा जाने लगा था कि उत्तर प्रदेश में बदलाव की शुरुआत होने वाली है। यह दावा किया कि किसी भी हाल में भाजपा योगी के नेतृत्व में यूपी का चुनाव नहीं लड़ेगी। अगर उनके कमान में यूपी का चुनाव होता है और जीतने के बाद वे तीसरी बार मुख्यमंत्री बनते हैं तो फिर अमित शाह के दिल्ली के तख्त पर बैठने की हसरत कभी पूरी नहीं हो पाएगी। इस मामले में सिर्फ कयासबाजी नहीं हो रही है। उधर महाराष्ट्र में देवेंद्र फड़नवीस की सरकार हर दिन किसी न किसी मामले में उलझ रही हैं। भाषा का मामला सरकार के गले की हड्डी बना।

भारत को सनातन ने नहीं, विदेशी आक्रांताओं और कांग्रेस ने बर्बाद किया

कमलेश पांडे

भारतीय पृष्ठभूमि वाली दुनिया की सबसे पुरातन सभ्यता-संस्कृति 'सनातन धर्म पर सियासी वजहों से जो निरंतर हमले हो रहे हैं, उनका समुचित जवाब देने में अब कोई कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। अन्यथा इसकी सार्वभौमिक स्थिति और महत्ता को दरकिनार करने वाले ऐसे ही बेसिरपैर वाले क्षुद्र सवाल उठाए जाते रहेंगे।

हाल ही में तथाकथित धर्मनिरपेक्ष और अवसरवादी क्षेत्रीय पार्टी एनसीपी शरद पवार के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने एक नया विवाद छेड़ते हुए जो कहा है कि सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया और इसकी विचारधारा को विकृत बताया, वह निहायत ही बेहूदगी भरी, अपरिपक्व और पूर्वाग्रह ग्रसित बयानबाजी है, उसकी जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है।

वहीं, भारत की आत्मा समझी जाने वाली सनातन सभ्यता-संस्कृति पर ऐसी अपमानजनक टिप्पणी करने वाले जनप्रतिनिधियों के खिलाफ उनकी पार्टी को अपना स्टैंड क्लियर करते हुए उनका इस्तीफा लिया जाना चाहिए, अन्यथा चुनाव आयोग को ऐसे जनप्रतिनिधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनसे सम्बन्धित राजनीतिक दल की मान्यता अविलंब समाप्त की जानी चाहिए।

अन्यथा जनमानस में यही संदेश जाएगा कि भारतीय संविधान के मातहत जारी कार्यपालिका प्रशासन और न्यायपालिका प्रशासन में धर्मनिरपेक्षता की पक्षधरता करने वाले ऐसे ऐसे सनातन विरोधी लोग बैठे हैं, जो भारत की सबसे पुरानी सभ्यता-संस्कृति के हमलावरों पर भी उसी तरह से उदार हैं, जैसे कभी मुगल या अंग्रेज प्रशासक या कांग्रेसी राजनेता हुआ करते थे।

उल्लेखनीय है कि उपरोक्त विधायक का यह बयान 2008 मालेगाव विस्फोट मामले में सभी सात आरोपियों के विशेष एनआईए अदालत द्वारा बरी किए जाने के बाद आया है, जिसने भगवा/हिन्दू आतंक शब्द को लेकर पिछले डेढ़ दशकों से जारी राजनीतिक बहस को एक बार फिर से गरमा दिया है।

यह अजीबोगरीब है कि पत्रकारों से बात करते हुए आव्हाड ने कहा कि सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया। कभी कोई धर्म सनातन धर्म नाम से नहीं था। हम हिंदू धर्म के अनुयायी हैं। यही कथित सनातन धर्म था जिसने हमारे छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक में बाधा डाली। इसी सनातन धर्म ने हमारे छत्रपति संभाजी महाराज को बदनाम किया। इसी सनातन धर्म के अनुयायियों ने ज्योतिराव फुले की हत्या का प्रयास किया।

इन्होंने सावित्रीबाई फुले पर गोबर और गंदगी फेंकी। यही सनातन धर्म शाहू महाराज की हत्या की साजिश में शामिल था। इसने आंबेडकर को पानी पीने या स्कूल में पढ़ने की अनुमति तक नहीं दी। वहीं, आव्हाड के सनातन धर्म और सनातन समाज विरोधी बयान पर राणे और संजय निरुपम ने भी ठोककर जवाब दिया है। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नितेश राणे ने जितेंद्र आव्हाड के बयान पर कहा कि 'हिंदू आतंकवाद' या 'सनातनी आतंकवाद' जैसी भाषा भारत की हिंदू और संत परंपरा को बदनाम करने के लिए गढ़ी गई एक परिभाषा है।

राणे की इस प्रतिक्रिया का लब्बोलुआब यह है कि हिन्दू समाज के प्रति हद से ज्यादा नकारात्मक हो चुकी कांग्रेस को देशवासियों ने सजा दी, और केंद्रीय सत्ता से बाहर कर दिया, जिससे कांग्रेसी बौखलाये हुए हैं। उसके लोग मुस्लिम वोटों को समाजवादियों से खींचने के लिए रणनीतिक गलतियां दर गलतियां करते जा रहे हैं। ऐसा करके वे लोग विपक्ष की राजनीति तो कब्जा सकते हैं, लेकिन केंद्रीय सत्ता 15 साल बाद भी उनके लिए दिल्ली दूर ही साबित होगी।

वहीं, बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस के तथाकथित इकोसिस्टम पर निशाना साधते हुए कहा कि वह सनातन धर्म को बदनाम करने और हिंदू आतंक जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने पर आमादा है। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण के उन हालिया बयानों का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने सनातन आतंकवाद का नया जुमला गढ़ा है।

सांसद संबित पात्रा ने एनसीपी विधायक जितेंद्र आव्हाड के ताजा विवादित बयान का हवाला देते हुए कहा कि, आव्हाड महाराष्ट्र के नेता हैं और शरद पवार की पार्टी से ताल्लुक रखते हैं। एक बार फिर उन्होंने सनातन धर्म के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। आपने सत्य का अपमान किया है, शिव के खिलाफ बोला है और उस भारत की सुंदरता का विरोध किया है। वह भारत जिसकी खूबसूरती सबके सम्मान में निहित है। मैं शरद पवार से पूछना चाहता हूं कि क्या यह आपकी पार्टी भी यही सोचती है, स्पष्ट कीजिए।

वहीं, शिवसेना नेता संजय निरुपम ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'जितेंद्र आव्हाड ने सनातन धर्म को बदनाम करने के लिए खूब सारी फर्जी कहानियां सुनाई हैं। वे यह बताना भूल गए कि अगर सनातन धर्म नहीं होता तो वे अब तक जितेंद्र नहीं जित्तुद्दीन हो जाते। अगर सनातनी नहीं होते तो देश सऊदी अरब बन जाता।

बता दें कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने भगवा शब्द की जगह सनातन या हिंदुत्ववादी शब्दों के उपयोग की वकालत की है। मालेगांव ब्लास्ट मामले में सभी दोषियों को बरी किए जाने के बाद चव्हाण ने सनातन संगठन की आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता का हवाला देते हुए उस पर प्रतिबंध का समर्थन किया। उन्होंने कहा है कि आतंकवादियों के लिए 'भगवा' शब्द का प्रयोग न करके 'सनातन' या 'हिंदुत्ववादी' शब्दों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए. उन्होंने अपने विचारों के समर्थन में ऐतिहासिक संदर्भ भी दिए।

चव्हाण ने कहा, 'मेरे मुख्यमंत्री काल में 'सनातन' संगठन की आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता थी।' इस संगठन पर प्रतिबंध लगाने के लिए मैंने एक गोपनीय रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी थी। उसी संदर्भ में मैंने 'सनातन' शब्द का उपयोग किया था, क्योंकि उस संगठन का कार्य आतंकवादी प्रवृत्ति का था। इस संगठन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए था।' उन्होंने डॉ. नरेंद्र दाभोलकर और कॉ. गोविंद पानसरे की हत्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि उनके साथ क्या हुआ और आज तक न्याय क्यों नहीं मिला, यह गंभीर प्रश्न है।

उन्होंने सवाल उठाया और कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर पर सदन में चर्चा होनी थी, उसी समय मुंबई सीरियल ब्लास्ट और मालेगांव फैसले का आना संयोग है या साजिश मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने जब मालेगांव केस चल रहा था, तब जो बयान दिया था, उसका असर कोर्ट के निर्णय पर पड़ा हो, तो यह गंभीर मामला है।

चव्हाण ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, 'बीते 15 वर्षों से अमित शाह केंद्रीय गृह मंत्री हैं, लेकिन इस अवधि में जांच एजेंसियों ने न्यायोचित कार्य नहीं किया है। ये सब सोची-समझी रणनीति के तहत किया गया है।' मुंबई विस्फोट और मालेगांव दोनों मामलों में सरकार को उच्च न्यायालय में अपील करनी चाहिए।'

चव्हाण के अनुसार, कोई भी धर्म आतंकवादी नहीं होता, लेकिन नाथूराम गोडसे की विचारधारा संघ की थी। सरदार वल्लभभाई पटेल ने एक समय संघ पर प्रतिबंध लगाया था।उन्होंने यह भी साफ किया कि चिदंबरम, सुशील कुमार शिंदे और दिग्विजय सिंह ने 'भगवा आतंकवाद' शब्द का उपयोग किया था, लेकिन मैं और मेरी पार्टी उस शब्द से सहमत नहीं थे और आज भी नहीं हैं। इसलिए सनातनी आतंकवाद कहते हैं।

तल्ख हकीकत यह है कि भारत को सनातन ने नहीं, विदेशी आक्रांताओं और कांग्रेस ने बर्बाद किया। आजादी की प्राप्ति के बाद तुष्टीकरण की राजनीति करते हुए तत्कालीन हिंदूवादी कांग्रेस ने हिंदुओं के साथ छल किया। जबतक हिन्दू समाज इसे समझ पाया, तबतक बहुत देर हो चुकी थी। हिन्दू हित के जो कार्य 1947 में ही शुरू कर दिए जाने चाहिए थे, वो 1998-99 में प्रारंभ हुए, लेकिन उन्हें सही गति 2014 के बाद मिल पाई।

अभी भी तथाकथित धर्मनिरपेक्षता इस राह में सबसे बड़ा बाधक है। यह इस्लामिक व ईसाइयत को संरक्षण देता है तो हिंदुओं को सिख, बौद्ध, जैन आदि पंथ को धर्म ठहराकर तोड़ता है। इससे हिन्दू समाज आंदोलित है। उसे योगी शासन का इंतजार है, ताकि यूपी की तरह पूरे देश का कायाकल्प संभव हो सके।

पाक परमाणु ठिकानों को पल भर में मिट्टी में मिला देगी भारत की हाइपरसोनिक बंकर बस्टर मिसाइल

नीरज कुमार दुबे

हाल ही में अमेरिका ने अपनी अत्याधुनिक बंकर बस्टर बम का उपयोग कर ईरान के भूमिगत परमाणु केंद्रों को निशाना बनाया था। इसने विश्व को यह दिखाया था कि अत्यधिक संरक्षित और गहराई में स्थित ठिकाने भी सुरक्षित नहीं हैं। इसी पृष्ठभूमि में भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (छ्रङ्ग्रष्ठह्र) की हाइपरसोनिक मिसाइल पर काम करने की खबरें सामरिक हलकों में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। हम आपको बता दें कि यह मिसाइल बंकर बस्टर वारहेड ले जाने में सक्षम होगी और गहरे भूमिगत ठिकानों को नष्ट कर सकेगी। यह खबर सामने आने के बाद से पाकिस्तान की चिंता बढ़ी हुई है क्योंकि उसके कई परमाणु प्रतिष्ठान भूमिगत बंकरों में स्थित हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह मिसाइल पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों को आसानी से निशाना बना सकती है। देखा जाये तो भारत की यह उपलब्धि दक्षिण एशिया में सामरिक संतुलन को गहराई से प्रभावित कर सकती है।

बताया जा रहा है कि डीआरडीओ की यह नई मिसाइल भारत की अग्नि-ड्ढ बैलिस्टिक मिसाइल का संशोधित संस्करण हो सकती है। इसकी गति की बात करें तो यह हाइपरसोनिक है यानि ध्वनि की गति से पांच गुना अधिक से दौड़ेगी। यह पारंपरिक बंकर बस्टर है और लगभग 7,500 किलोग्राम का वारहेड ले जाने में सक्षम है। इसकी भेदन क्षमता 200 फीट तक भूमिगत प्रवेश कर विस्फोट करने की बताई जा रही है। इसकी रेंज लगभग 2,500 किलोमीटर होगी।

हम आपको बता दें कि भारत के पास अमेरिका या रूस की तरह महंगे स्टेल्थ बॉम्बर नहीं हैं। इसलिए मौजूदा लड़ाकू विमानों से बंकर बस्टर बम गिराना जोखिमपूर्ण होगा क्योंकि वे दुश्मन के राडार पर आ जाएंगे। परन्तु मिसाइल आधारित प्लेटफॉर्म भारत को सुरक्षित दूरी से गुप्त और सटीक हमले की क्षमता देगा। हम आपको यह भी बता दें कि भारत की यह मिसाइल क्षमता उसकी सामरिक बढ़त को काफी बढ़ा देगी। साथ ही इससे पाकिस्तान की न्यूक्लियर ब्लैकमेल रणनीति भी ध्वस्त हो जायेगी। इस मिसाइल के जरिये भारत सुरक्षित दूरी से दुश्मन के परमाणु ठिकानों को निशाना बना सकेगा। इस मिसाइल का विकास चीन पर भी एक रणनीतिक दबाव बनाएगा।

जहां तक इस मिसाइल से पाकिस्तान की चिंता की बात है तो आपको बता दें कि पाकिस्तान की सामरिक मामलों की विशेषज्ञ राबिया अख्तर ने 'डॉन' अखबार में लिखा है कि भारत का यह कदम पारंपरिक और परमाणु रणनीति के बीच की रेखा को धुंधला कर सकता है। पाकिस्तान का कहना है कि यदि भारत इस तरह की मिसाइलों का इस्तेमाल उसके परमाणु ठिकानों पर करता है, तो यह किसी भी दृष्टिकोण से परमाणु प्रथम-हमले जैसा लगेगा, भले ही वारहेड पारंपरिक ही क्यों न हो। राबिया अख्तर ने चेतावनी दी है कि किसी भी परमाणु-सशस्त्र देश के लिए यह मायने नहीं रखेगा कि वारहेड पारंपरिक है या परमाणु। यदि कोई हाई-स्पीड बैलिस्टिक मिसाइल उसके परमाणु प्रतिष्ठानों पर दागी जाती है, तो इसे परमाणु हमले की शुरुआत माना जाएगा। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि ऐसी स्थिति में पाकिस्तान अपनी सामरिक या रणनीतिक परमाणु हथियारों का तुरंत इस्तेमाल कर सकता है।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत ने हमेशा यह घोषित नीति अपनाई है कि वह परमाणु हथियारों का पहले उपयोग नहीं करेगा। लेकिन बंकर बस्टर मिसाइलें इस नीति के तहत नहीं आती हैं। क्योंकि एक ओर, ये पारंपरिक हथियार हैं और तकनीकी रूप से वह ह्रस्न यानि न्यूक्लियर फर्स्ट यूज नीति का उल्लंघन नहीं करते। दूसरी ओर, ये सीधे दुश्मन के परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बना सकते हैं, जिससे प्रतिक्रिया में परमाणु युद्ध की संभावना बढ़ सकती है।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के तहत हाल ही में चलाये गये ऑपरेशन सिंदूर के तहत यह तय कर दिया है कि भविष्य में किसी भी आतंकी हमले को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। भारत की यह नीति आतंकवादियों और उन्हें समर्थन देने वाले देशों के बीच कोई अंतर नहीं करती है। इसलिए पाकिस्तान का डर स्वाभाविक है। हम आपको यह भी बता दें कि भारत और पाकिस्तान हर साल 1 जनवरी को अपने-अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान करते हैं। यह समझौता 31 दिसंबर 1988 को हस्ताक्षरित हुआ था, जो यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी देश दूसरे के परमाणु प्रतिष्ठानों को नुकसान नहीं पहुँचाए। हालांकि इस तरह की खबरें हाल ही में सामने आई थीं कि भारत और पाकिस्तान के बीच मई महीने में हुए सैन्य संघर्ष के दौरान भारत ने पाकिस्तान की किराना हिल्स पर स्ट्राइक की थी। ऐसा दावा सामने आई सैटेलाइट तस्वीरों ने किया था। यह खुलासा अपने आप में इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि किराना हिल्स में ही पाकिस्तान के परमाणु बमों का ठिकाना माना जाता है। हालांकि यह भी माना जा रहा है कि भारत ने पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों पर हमला उसके परमाणु हथियारों को नष्ट करने के उद्देश्य से नहीं बल्कि उसको चेतावनी देने के लिए किया था और इसके जरिये दुश्मन को साफ और स्पष्ट संदेश दिया था कि उसके परमाणु ठिकाने सुरक्षित नहीं हैं।

बहरहाल, भारत की यह मिसाइल क्षमता न केवल उसकी सामरिक मारक क्षमता को बढ़ाएगी, बल्कि पाकिस्तान की न्यूक्लियर ब्लैकमेल नीति को भी चुनौती देगी। लेकिन इसके साथ ही यह दक्षिण एशिया में अस्थिरता और परमाणु संघर्ष के जोखिम को भी बढ़ा सकती है।

मैं सांड हूँ ! जहाँ जाइएगा मुझे पाइएगा

प्रभुनाथ शुक्ल

हमारे गांव-जवार में लठ्ठन गुरू का जलवा है। वह लम्बी कद काठी के गबरू जवान हैं। हालांकि उमर उनकी साठा है, लेकिन अपने को वह किसी गबरू जवान से कम नहीं समझते। फीट भर की हासिएदार मुंछे और छह फिट की लाठी रखते हैं। सिर पर कलकत्तईया गमछा और पूरेवदन पर पाव भर कड़वा तेल की मालिश करते हैं। जहाँ चाहते हैं वहीं मुंह मारते हैं और जिसको जो चाहें बोल देते हैं। लठ्ठन गुरू को लोग छुट्टे सांड के उपनाम से भी बुलाते हैं। वेचारे जुवान से थोड़ा पातर हैं, लेकिन गलत कभी बर्दास्त नहीं करते हैं। उनकी निगाह में अगर कहीं गलत दिख गया तो पूरे छुट्टे सांड बन जाते हैं। फिर उनकी निगाह में आने वाले की ऐसी-तैसी हो जाती है। इसलिए हमारे गांव-जवार में लोग उनका बड़ा अदब करते हैं।

वैसी भी हमारी काशी तो सांडो की जन्म और कर्म स्थली है। काशी में जहाँ जाइएगा वहां बस सांड ही सांड ही पाइएगा। बाबा दरबार से लेकर गंगा घाट तक। चौराहे से लेकर सब्जी मंडी और गली तक सांड ही सांड दिख जाएंगे। कभी-कभी तो जब अपने पर उतर आते हैं तो पूरी सड़क और गली में जाम लग जाता है। ठेंगे से जाम लगे अलमस्त पागुर करते और बीच सड़क पर उंघते दिख जाएंगे। आप हॉर्न बजाइए या घंटा कोई फर्क नहीं। काशी वालों का जीने का अंदाज ही कुछ अलग है। यहाँ की विंदास जिंदगी सांड की मस्ती से कम नहीं है। क्योंकि यहाँ बाबा की कृपा बरसती है। वैसे भी यहाँ के साहित्यकार भी अपने नाम के आगे सांड लगाना नहीं भूलते हैं। राजनीति में भी यहाँ से जो चुनकर जाता है जाता है वह छुट्टा सांड हो जाता है। आप गलत मतलब मत लगाइएगा हमारे गांव-जवार में सांड बल और शौर्य का प्रतीक है। वैसे भी आजकल सांडों की कमी नहीं हैं। हर कोई सांड ही बनाना चाहता है। अब शेर उतना पसंद नहीं किया जा रहा जितना छुट्टा सांड। इसलिए हर कोई छुट्टा सांड ही बनाना चाहता है।

वैसे भी हमारे यहाँ सांडो का आतंक है। लोकतंत्र में कुछ सियासी फैसलों की वजह से हाल के दिनों में सांडों की आबादी बढ़ी है। जिसकी वजह से सांडों का चरित्र अब इंसानों में घूस गया है। किसानों की फसल आराम से सांड चट कर जाते हैं। किसान अगर सांडो का विरोध करता है तो उसकी हड्डी-पसली तीतर-वितर हो जाती है। हुंकाराते और अखड़ाते सांड उसे छोड़ते नहीं हैं। वैसे भी सांड हमारी राजनीति का अहम मुद्दा है। चुनावी मौसम में तो सियासी सांडो और असली सांडो से कई बार हेलीपैड और चुनावी सभाओं में मुकाबला हो चुका है। सत्तापक्ष के अपने सांड और विपक्ष के अपने सांड हैं। बिनादल वाले भी खुद को स्वच्छंद सांड समझते हैं। चुनाव के बाद किसी दल का बहुत कम है तो ऐसी प्रजाति के सांड अवसर का लाभ उठाकर सम्बंधित दल के गले लग जाते हैं। अब आप इन्हें अवसरवादी सांड से परिभाषित मत कीजिएगा।

बदलते परिवेश में हमारे समाज में स्वच्छंद सांडों की समस्या सबसे बलवती हो गई है। यह गली-चौराहे, स्कूल-कॉलेज हर जगह आवारगी करते दिख जाएंगे। यह अपने माँ-बाप की बिगडैल औलादें हैं। जिन्हें आप लुच्चे-लफंगे जैसे विशेष विशेषण से सम्बोधित कर सकते हैं। हमारे गांव-जवार में इनके लिए एक शब्द सोहदा है जिसका प्रयोग इनके लिए किया जाता है। आजकल ऐसे सांड बेलगाम हो चले हैं। क़ानून की लाख कोशिश के बाद भी नपुंसकों की औलादें सुधरने का नाम नहीं लें रहीं हैं। आपरेशन मजनू भी इनका कुछ नहीं बिगाड़ पा रहा। राह चलती बेटियों को निशाना बना रहें हैं। बेटियों का दुपट्टा खींच बेलगाम सांडो ने तांडव मचा रखा है। अब देखना है ऐसे बेलगाम सांडो पर बाबा का बुलडोजर वाला सांड कब हुंकार मारता है।

तुलसी के पास किन पौधों को नहीं लगाना चाहिए?

हिंदू धर्म में तुलसी का पौधा पूजनीय है। घर में तुलसी का पौधा लगाना अत्यंत शुभ होता है, लेकिन इसे सही दिशा में लगाना व देखभाल करना जरूरी होता है। तुलसी का पौधा सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है और वातावरण को शुद्ध करता है। तुलसी का पौधा मां लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। मान्यता है कि जिस घर में तुलसी का पौधा हरा-भरा रहता है, वहां स्वयं मां लक्ष्मी वास करती हैं। वास्तु शास्त्र में तुलसी के पास कुछ पौधों को लगाना या रखना अशुभ माना गया है। जानें वास्तु के अनुसार तुलसी के पास किन पौधों को नहीं लगाना चाहिए।

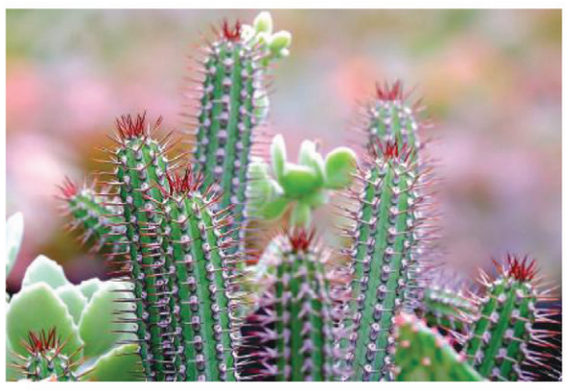

कांटेदार पौधे
तुलसी के पास कांटेदार पौधे जैसे कैक्टस या गुलाब का पौधा नहीं लगाना चाहिए। कहते हैं कि कांटेदार पौधे नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं, जो तुलसी की सकारात्मक ऊर्जा पर प्रभाव डाल सकते हैं। वास्तु के अनुसार कांटेदार पौधों के कारण घर की शांति भंग हो सकती है।

घना व विशाल पौधा
तुलसी के पास बड़े और घने पौधे जैसे बरगद, पीपल या अन्य कोई विशाल पौधा नहीं लगाना चाहिए। इन पौधों की छाया तुलसी पर पड़ना अशुभ माना गया है। तुलसी को हमेशा ऐसी जगह पर रखना चाहिए जहां पर्याप्त रोशनी व हवा मिल सके।

सूखा व मुरझाया पौधा
तुलसी के पौधे के पास कभी भी मुरझाया या सूखा हुआ पौधा नहीं लगाना चाहिए। कहते हैं कि ऐसा करने से नकारात्मकता बढ़ती है। कहते हैं कि मुरझाए हुए पौधों से नकारात्मक ऊर्जा निकलती है, जो वास्तु दोष का कारण बन सकती है।

कड़वे फल देने वाले पौधे
वास्तु के अनुसार, तुलसी के पास कड़वे फल देने वाले पौधे जैसे करेला या नीम आदि नहीं लगाने चाहिए। कहते हैं कि ये तुलसी के पौधे की सकारात्मक ऊर्जा को क्षति पहुंचाते हैं और नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं।

ज्यादा पानी की जरूरत रखने वाले पौधे
वास्तु के अनुसार, तुलसी के पास उन पौधों को लगाने से बचना चाहिए जो ज्यादा पानी मांगते हैं। तुलसी के लिए ज्यादा पानी अच्छा नहीं होता है। ऐसे में अगर तुलसी के पौधे के पास ऐसे पेड़-पौधे होंगे जो ज्यादा पानी की जरूरत रखते हैं, तो तुलसी का पौधा नष्ट हो सकता है।

वास्तु शास्त्र में भगवान की फोटो लगाने से जुड़े नियम

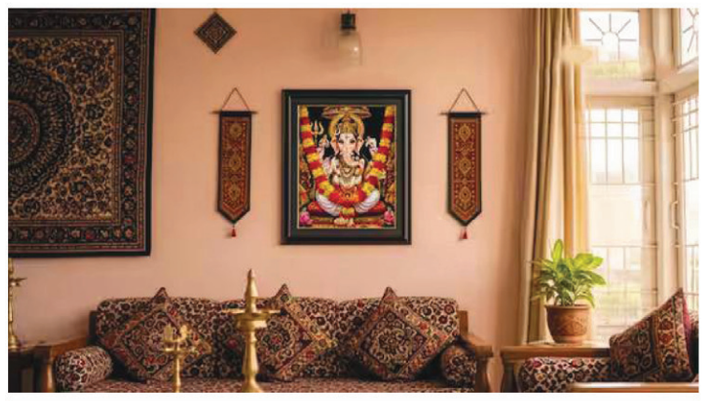

अगर आपके घर में मंदिर है या आप दीवार पर भगवान की मूर्ति या तस्वीर लगाने की योजना बना रहे हैं, तो यह जानकारी आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, भगवान की तस्वीरें सिर्फ श्रद्धा का प्रतीक नहीं होतीं, बल्कि उनका सही स्थान, दिशा और स्थिति आपके जीवन में सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा का कारण बन सकती है। कई लोग बिना दिशा-निर्देश के कहीं भी तस्वीरें लगा देते हैं, जिससे सुख-शांति की जगह क्लेश और दुर्भाग्य आने लगता है। भगवान की तस्वीर लगाने के वास्तु नियम-

पूर्व दिशा है सबसे शुभ
घर में पूजा स्थल या भगवान की फोटो लगाने के लिए पूर्व दिशा सर्वोत्तम मानी गई है। यह दिशा सूर्य की सकारात्मक ऊर्जा से भरी होती है। उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) भी एक आदर्श विकल्प है।

डूबते सूर्य की तस्वीर न लगाएं
सजावट के उद्देश्य से लोग सूर्य की तस्वीर लगाते हैं, लेकिन डूबते हुए सूर्य की छवि लगाने से नकारात्मकता बढ़ती है। उगते सूर्य की तस्वीर लगाना शुभ होता है।

बेडरूम और किचन में न लगाएं तस्वीरें
वास्तु के अनुसार शयनकक्ष और रसोईघर पूजा या भगवान की छवि लगाने के लिए उपयुक्त स्थान नहीं हैं।

आंखों के स्तर पर लगाएं तस्वीर
भगवान की फोटो हमेशा ऐसी ऊंचाई पर लगाएं जो आपकी आंखों के सामने हो। बहुत ऊंची या नीचे लगाई तस्वीर श्रद्धा और मन के जुड़ाव में बाधा बन सकती है।

दो देवताओं की पीठ एक-दूसरे से न लगाएं
अलग-अलग भगवानों की तस्वीरें एक ही दीवार पर लगाते समय ध्यान रखें कि किसी भी दो देवताओं की पीठ आपस में न जुड़ी हो, यह वास्तु दोष उत्पन्न कर सकता है।

उग्र मुद्रा में भगवान की तस्वीरें न लगाएं
घर की दीवारों पर क्रोधित या उग्र रूप में देवी-देवताओं की तस्वीरें जैसे महाकाली, उग्र शिव या नृसिंह न लगाएं। ये चित्र केवल विशेष पूजा स्थलों के लिए उपयुक्त होते हैं।

उगते सूर्य की तस्वीर लगाना शुभ
सजावट के उद्देश्य से लोग सूर्य की तस्वीर लगाते हैं, लेकिन डूबते हुए सूर्य की छवि लगाने से नकारात्मकता बढ़ती है। उगते सूर्य की तस्वीर लगाना शुभ होता है।

टूटी या फीकी तस्वीरें तुरंत हटा दें
अगर कोई मूर्ति या फोटो टूट गई हो या उसका रंग उड़ गया हो, तो उसे तुरंत पूजा स्थान से हटा दें। टूटी चीजें नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं।

साफ-सुथरा और सुंदर फ्रेम जरूरी
भगवान की फोटो या मूर्ति को स्वच्छ फ्रेम में रखें और नियमित रूप से साफ करें। साथ ही, पूजा स्थल पर दीपक या अगरबत्ती जलाना भी शुभ माना गया है।

क्यों जरूरी है वास्तु के अनुसार तस्वीर लगाना?
अगर भगवान की फोटो सही दिशा और नियमों के अनुसार लगाई जाए, तो इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा, आध्यात्मिक शांति और समृद्धि का वास होता है। वहीं, अनजाने में की गई गलतियां जीवन में तनाव, क्लेश और आर्थिक समस्याओं का कारण बन सकती हैं।

फिट बनाए रखने के लिए कुछ आसान उपाय

स्लिम और फिट बने रहना हर किसी की चाहत होती है, लेकिन हर बार जिम जाना या एक्सरसाइज करना सभी के लिए पॉसिबल नहीं हो पाता है। ऐसे में आप अपनी डेली रूटीन में छोटे-छोटे बदलाव करके बिना एक्सरसाइज के भी ना सिर्फ अपने शरीर को एक्टिव रख सकते हैं, बल्कि बॉडी की एक्स्ट्रा कैलोरी भी बर्न कर सकते हैं। इसके लिए बस आपको अपनी दिनचर्या में कुछ मजेदार और हल्की-फुल्की आदतों को शामिल करना होगा। चलिए जानते हैं बिना एक्सरसाइज के भी शरीर को एक्टिव और फिट बनाए रखने के लिए कुछ आसान और मजेदार से उपाय।

टहलने से बर्न होगी कैलोरी
कैलोरी बर्न करने का सबसे आसान और असरदार तरीका है पैदल चलना। एक व्यक्ति रोज 30 मिनट की नॉर्मल वॉक से लगभग 133 कैलोरी बर्न कर सकता है। अगर चलने की स्पीड तेज हो तो कैलोरी की मात्रा बढ़ भी सकती है। अगर आप बिना एक्सरसाइज के शरीर की एक्स्ट्रा कैलोरी को बर्न करना चाहते हैं, तो पैदल चलना इसका सबसे आसान तरीका है। आप फोन पर बात करते-करते पैदल चलें। नजदीकी दुकान से सामान लाना हो तो बाइक या कार से जाने के बजाय पैदल जाएं। पैट्स को टहलाने के लिए निकलें या घर में बच्चा हो तो उसे लेकर टहलने निकल जाएं। इस तरह से आप अपने डेली रूटीन में छोटे बदलाव कर के खुद को फिट और एक्टिव रख सकते हैं। अगर आपको मस्ती के साथ कैलोरी बर्न करनी है, तो इसके लिए सबसे आसान और मजेदार तरीका है कि आप खेल-कूद में इंटरेस्ट दिखाएं। आप बच्चों के साथ खेल सकते हैं, पैट्स के पीछे भाग सकते हैं।

अगर आप बिना एक्सरसाइज के शरीर को फिट रखना चाहते हैं, तो साइकलिंग भी एक मजेदार तरीका है।

साइकिल चलाने से कैलोरी तेजी से बर्न होती हैं। जितनी तेजी से आप साइकिल चलाते हैं, उतनी ही ज्यादा कैलोरी बर्न होती हैं। साइकिल चलाने से फुल बॉडी की एक्सरसाइज होती है। इसके अलावा साइक्लिंग पैरों की ताकत बढ़ाती है, स्टैमिना इंप्रूव करती है और हार्ट हेल्थ का भी ख्याल रखती है।

दोस्तों के साथ हल्के-फुल्के गेम खेल सकते हैं। दौड़-भाग वाले खेल खेलने से 30 मिनट में ही आप लगभग 140 कैलोरी बर्न कर सकते हैं।

ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मदद करता है।
जिससे कई तरह के कैंसर से बचाव में मदद मिलती है। कम लोगों को पता होता है कि ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के बढ़ने से शरीर में सूजन होने लगती है, जिसकी वजह से बॉडी के सेल डैमेज होने लगते हैं। जिसकी वजह से शरीर में कई तरह के कैंसर का जोखिम बढ़ जाता है। टमाटर खाने से इस समस्या से बचाव होता है।

टमाटर खाने के बड़े फायदे

रसोईघर में सब्जी को चटपटा स्वाद देने से लेकर बर्गर- पिज्जा का टेस्ट बढ़ाने तक के लिए कच्चे टमाटर का यूज किया जाता है। लाल रसीले टमाटर का हल्का खट्टा स्वाद हर डिश के स्वाद में जादू घोल देता है। टमाटर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन-के, फाइबर, और पोटैशियम के साथ लाइकोपेन की अच्छी मात्रा सेहत से जुड़ी कई परेशानियों को दूर करने में मदद कर सकती है। अगर आप भी आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में अपनी डाइट के लिए एक हेल्दी और नेचुरल ऑप्शन की तलाश में हैं, तो टमाटर को अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बना लें। आइए जानते हैं टमाटर खाने से सेहत को मिलते हैं कौन से 5 गजब के फायदे।

इम्यूनिटी बूस्टर
टमाटर में विटामिन सी के साथ कई अन्य विटामिन्स और फोलेट एसिड जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। जो इम्यूनिटी बूस्ट करके सर्दी-जुकाम, वायरल और एलर्जी जैसे कई रोगों से लड़ने में मदद करता है। अगर आप जल्दी-जल्दी बीमार पड़ते हैं तो आपको रोजाना एक टमाटर खाना चाहिए।

वेट लॉस
जो लोग अपना वेट लॉस करना चाहते हैं, उन्हें अपनी डाइट में टमाटर जरूर शामिल करना चाहिए। टमाटर में मौजूद कैलोरी की कम मात्रा और फाइबर और पानी की अधिकता पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखती है। जिसे व्यक्ति को भूख का अहसास जल्दी नीं होता और वेट लॉस में मद मिलती है। टमाटर में मौजूद पोषक तत्व मेटाबॉलिज्म को एक्टिव करके शरीर में जमा फैट को धीरे-धीरे बर्न करने में भी मदद करते हैं।

हार्ट रखे हेल्दी
टमाटर का नियमित सेवन दिल को हेल्दी बनाए रखता है। इसमें मौजूद लाइकोपीन, पोटैशियम और फोलेट हार्ट हेल्थ को फायदा पहुंचाते हैं। यह ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल रखकर ब्लड वेसल्स को डैमेज होने से बचाता है। टमाटर का नियमित सेवन दिल की बीमारियों का खतरा कम करता है।

ग्लोइंग स्किन
ग्लोइंग स्किन की चाहत रखने वाले लोगों को डाइट में रोजाना एक टमाटर शामिल करना चाहिए। टमाटर में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स स्किन को फ्री रैडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाकर ग्लोइंग बनाए रखते हैं। कच्चे टमाटर का चेहरे पर नियमित इस्तेमाल करने से भी स्किन जवां और खिली-खिली नजर आती है।

कैंसर से बचाव
टमामटर में मौजूद लाइकोपेन नाम का एंटी-ऑक्सीडेंट,

हिंदू परंपरा का त्योहार है हरियाली तीज

राजस्थानी जन- जागरण सेवा संस्था एवं ओजस नारी फाउंडेशन के सयुंक्त तत्वाधान में लगातार सोलह वर्षों से आयोजित होने वाला तीज महोत्सव का कार्यक्रम भव्य रूप से भायंदर पश्चिम के माहेश्वरी भवन में संपन्न हुआ। संस्था के अध्यक्ष गजेंद्र भंडारी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान रचना पांडे द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई जिसमें महिलाओं ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

लक्की ड्रा,बेस्ट डांस,बेस्ट ड्रेस आदि विभिन्न प्रतियोगियों को विधायक नरेंद्र मेहता एवं पूर्व नगरसेविका सुधा व्यास के हाथों सम्मानित किया गया। सरंक्षक रवि व्यास एवं सचिव ओम प्रकाश कावड़िया ने सभी कलाकारों का सम्मान किया। ओजस नारी फाउंडेशन की अध्यक्ष गायत्री पचलंगिया , पूजा सोनी , कुसुम शर्मा , मोनिका सोनी आदि सभी कार्यकर्ताओं ने नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। 3 बजे शुरू हुआ कार्यक्रम 8 बजे तक चलता रहा जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं के साथ युवतिओं ने जोर शोर से भाग लिया। युवाओं को भारतीय संस्कृति से जोड़े रखने के लिये संस्था समय-समय पर लोक पर्व का सामूहिक आयोजन करती रहती हैं। मनोज खेमका,ओम प्रकाश महर्षि,पूर्व नगरसेवक विजय राय,डॉ श्याम सुंदर शर्मा,विट्ठल नवन्धर, मनोज पचलंगिया, राकेश मिश्रा,मनमोहन मिश्रा , ताराचंद टेलर आदि का विशेष सहयोग रहा।

अग्रवाल समाज भी मनाता है तीज महोत्सव
अग्रवाल समाज मीरा-भाईंदर द्वारा ब्लूमून क्लब, मीरा-भाईंदर (पूर्व) में नंदू पोद्दार व पुरुषोत्तम कामठिया के मार्गदर्शन में आयोजित भव्य तीज महोत्सव का शुभारंभ दीप-प्रज्ज्वलन कर मारवाड़ी सम्मेलन के ट्रस्टी व सुप्रसिद्ध समाजसेवी कन्हैयालाल घ. सराफ ने किया। सावन की थीम पर अग्रवाल महिलाओं के लिए मेंहदी व लोकनृत्य प्रतियोगिताओं के साथ मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। जादू के खेल, नृत्य-संगीत के मनोरंजन कार्यक्रम तथा चटपटी चाट एवं राजस्थानी व्यंजनों के साथ सिंघारा किया गया। संस्थागत कई वर्षों से निरंतर प्रतिवर्ष यह कार्यक्रम कर रही है। आयोजन को सफल बनाने में संदीप चिरानीया, नवल सेकसरिया, संतोष अग्रवाल, बी. के. अग्रवाल व मुकेश मेहता की भूमिका सराहनीय रही।

भारतीय रसोईघरों में लोगों को सुरक्षित और अधिक स्वच्छ खाना पकाने के लिए सामूहिक प्रतिज्ञा लेने के लिए आमंत्रित किया गया। सभी विज़िटर्स को प्रोत्साहित किया गया कि वे #SvachhNoSpillShelter हैशटैग के साथ सेल्फी और अपनी प्रतिज्ञा सोशल मीडिया पर साझा करें, ताकि 'क्लीन किचन प्रॉमिस'को और व्यापक बनाया जा सके। भाग लेने वाले विज़िटर्स को वाउचर्स भी दिए जाएंगे।

इस पल को और खास बनाने के लिए उद्घाटन के बाद इंडी बैंड सिंफनी रश ने लाइव परफॉर्मेंस दी, जिससे इस स्थान पर जोश और भीड़ दोनों ही बढ़ गए, परिवार, सैर करने वाले और उत्सुक दर्शक बड़ी संख्या में आकर्षित हुए। अकीला चंद्रशेखर, सीनियर जनरल मैनेजर और हेड – मार्केटिंग, टीटीके प्रेस्टिज ने स्वच्छ डीप लिड इनोवेशन के पीछे की सोच साझा करते हुए कहा कि टीटीके प्रेस्टिज में हमारा मानना है कि नवाचार का उद्देश्य केवल उत्पाद तक सीमित नहीं होना चाहिए। SVACHH डीप लिड को भारतीय रसोईघरों में एक वास्तविक समस्या, प्रेशर कुकिंग के दौरान फैलने वाले भोजन और उससे होने वाली असुविधा को हल करने के लिए विकसित किया गया था। यह इंस्टॉलेशन एक सप्ताह तक कार्टर रोड पर आम जनता के लिए खुला रहेगा।

टीटीके प्रेस्टिज ने 'क्लीन किचन प्रॉमिस' को किया साकार

भारत के सबसे भरोसेमंद किचन अप्लायंसेज़ ब्रांड टीटीके प्रेस्टिज ने मुंबई के कार्टर रोड पर अपने प्रतिष्ठित प्रेस्टिज स्वच्छ प्रेशर कुकर के डीप लिड की एक विशाल प्रतिकृति का अनावरण किया। इस इंस्टॉलेशन को उत्पाद की एंटी-स्पिल (गिरने से रोकनेवाली) विशेषता के रूप में डिज़ाइन किया गया है। यह न केवल लोगों का ध्यान आकर्षित करता है, बल्कि एक उपयोगी रेन शेल्टर (बारिश से बचाने वाला आश्रय) के रूप में भी काम करता है, जो इस डीप लिड की असली उपयोगिता को दर्शाता है, रसोई और अब राहगीरों को भी बारिश में सूखा और स्वच्छ रखना।

संक्षिप्त समाचार

''बने खाबो, बने रहिबो'': सघन जांच एवं जागरूकता अभियान

खाद्य प्रतिष्ठानों की 06 अगस्त तक होगी सघन जांच

मुंगेली(समय दर्शन) जिले में खाद्यजनित बीमारियों एवं उससे होने वाले संक्रमण को रोकने के लिए जिले में 06 अगस्त तक ''बने खाबो बने रहिबो'' अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत जिले के फूड एवं मिठाई दुकानों, रेस्टोरेंट्स और किराना दुकानों में खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता की जाँच की जा रही है तथा अमानक पाए जाने पर सैंपल लेकर जांच हेतु कालीबाड़ी रायपुर स्थित राज्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जाएगा। इस दौरान दुकानदारों एवं उपभोक्ताओं को खाद्य पदार्थों की स्वच्छता, निर्माण तिथि, उपयोग अवधि एवं सुरक्षित भंडारण की जानकारी भी दी जा रही है, ताकि त्यौहारों के समय अस्वच्छ एवं मिलावटी खाद्य सामग्री की बिक्री पर नियंत्रण पाया जा सके। प्रशासन ने आम नागरिकों से स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों से बचाव हेतु स्वच्छ, गुणवत्तायुक्त एवं निर्धारित तिथि वाले खाद्य पदार्थों का ही उपयोग करने की अपील की है।

गर्भवती महिलाओं की गोद भराई रस्म एवं शिशुओं क़ा कराया गया अन्नप्राशन

भाटापारा (समय दर्शन)। शासन के निर्देश व कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) के द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के योजनांतर्गत परियोजना लवन में गर्भवती महिलाओं की गोदभराई रस्म,बाच्चों का अन्नप्राशन संस्कार, राखी मेकिंग प्रतियोगिता, रंगोली, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी अतुल परिहार ने बताया कि शाला त्यागी बालिकाओं को ब्यूटी पॉर्लर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र एवं उपहार भेंट किया गया। स्तनपान से होने वाले लाभ के बारे में उपस्थित महिलाओं को जानकारी दी गई।बताया गया कि स्ततनपान बच्चे और मां दोनो के लिए अद्वितीय है, शिशु के लिए मां का दूध एक संपूर्ण आहार होता है। इसमें सभी जरूरी पोषक तत्व, विटामिन और मिनरल सही मात्रा में मौजूद होते है। यह बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, जिससे वह संक्रमण, एलर्जी और अन्य बीमारियों से सुरक्षित रहता है। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष शिवमंगल सिंह चौहान, उपाध्यक्ष नरेद्र साहू, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी आदित्य शर्मा, जिला मिशन समन्वयक प्रीति नवरत्न, वित्तीय साक्षरता एवं समन्वय विशेषज्ञ कौशिल्या सोनवानी, लवन पर्यवेक्षक प्रतिभा पटेल,आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं, सहायिकाएं, हितग्राही, एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

शीतला मंदिर में शिवजी के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लगी कतारें

दुर्ग (समय दर्शन)। शहर के शिव मंदिरों में सावन का अंतिम सोमवार होने से दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतारें लगी रही। सिविल लाईन कसारीडीह स्थित प्रसिद्ध सतरुपा शीतला मंदिर में शिवजी का विशेष श्रृंगार कर जलाभिषेक किया गया। इस दौरान मंदिर में हर हर महादेव के जयघोष गुंजायमान रहे।दर्शन के लिए यहां श्रद्धालुओं की दिनभर भीड़ रही। मंदिर में व्यवस्था बनाने मां सतरुपा शीतला सेवा समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू के अलावा अन्य पदाधिकारी व्यवस्था बनाने में जुटे रहे। इसके अलावा महाकालेश्वर मंदिर पद्मनाभपुर, शिव मंदिर आदर्श नगर, राम मंदिर कसारीडीह, भगवान लंगूरवीर मंदिर शनिचरी बाजार, शक्तिनगर तालाब मंदिर, गयानगर कोष्ठा तालाबपार स्थित शिव मंदिर, शिवशक्ति हनुमान मंदिर पटेल चौक व अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ी। जिससे शहर के अधिकांश शिव मंदिरों में आज दिनभर मेला का माहौल रहा।

संपूर्णता अभियान में कांस्य पदक मिले कवर्धा जिले के हाट बाजार के पहले ही दिन अव्यवस्था चरम पर, भावना बोहरा ने जताई नाराजगी

कवर्धा (समय दर्शन)। पीजी कॉलेज ग्राउंड में स्थित इनडोर स्टेडियम कवर्धा में तीन दिवसीय आकांक्षा हाट मेले शुभारंभ रविवार को उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने किया। एक ओर जहां पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कार्यक्रम में अव्यवस्था को लेकर कड़ी नाराजगी जताई और माइक लेकर अधिकारियों को फटकार लगाते हुए व्यवस्था सुधारने बार बार कहती रहीं। वहीं दूसरी ओर संपूर्णता अभियान के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट कार्य के नाम पर अनेक अधिकारी एवं फ्रंटलाइन वर्करों को प्रशस्ति पत्र के साथ सम्मानित भी किया गया।

संपूर्णता अभियान के तहत पूरे छत्तीसगढ़ में कवर्धा जिला को उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए जहां कांस्य पदक मिला है। वहीं अभियान के तहत 3 से 5 अगस्त तक तीन दिवसीय आकांक्षा हाट मेला के पहले ही दिन अव्यवस्था चरम पर देखा गया। इतना ही नहीं इस अव्यवस्था पर पंडरिया विधायक

भावना बोहरा ने भी नाराजगी जताई और स्वयं वे माइक अपने हाथ में लेकर जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगाते हुए व्यवस्था दुरूस्त करने का निर्देश भी दिया।

कार्यक्रम स्थल पर पहुंची पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने अव्यवस्थाएं देखकर कहा कि वहां न कोई जिम्मेदार अधिकारी मौजूद है और न ही अतिथियों के लिए कोई व्यवस्था है। विधायक भावना बोहरा ने साफतौर पर कहा कि जो भी प्रभारी अधिकारी हैं, वे तुरंत यहां आकर देखें। लगातार अव्यवस्था बनी हुई है। यह कार्यक्रम राज्य सरकार की बहुत अच्छी योजना के तहत आयोजित किया गया है, लेकिन यहां की अव्यवस्था से जनता भी परेशान हो रही है और कार्यक्रम का उद्देश्य भी पूरा नहीं हो पाता। मैं बार बार कह रही हूं कि जिम्मेदार अधिकारी आएं और व्यवस्था दुरूस्त करें।

आकांक्षा हाट मेला दरअसल राज्य सरकार के संपूर्णता अभियान के तहत आंकाक्षी विकासखंडों मे आयोजित किया जा रहा है। इसका मकसद महिला स्व सहायता समूहों को प्रोत्साहन, स्थानीय उत्पादों को बाजार और विभागीय योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाना है। लेकिन कार्यक्रम के पहले ही दिन की अव्यवस्था और लापरवाही पूर्ण तैयारी ने पूरे आयोजन को कागजी घोड़ा का बना दिया है। विधायक की सख्त नाराजगी के बाद कुछ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाएं दुरूस्त करने का प्रयास किया, लेकिन अव्यस्थाएं देर तक दूर नहीं हो पाई। इस बीच विधायक की नाराजगी का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका था।

मीडिया दीर्घा में जनप्रतिनिधियों का अतिक्रमण- संपूर्णता अभियान के तहत जिला मुख्यालय में लगाए गए तीन दिवसीय हाट मेला का पहला दिन पूरी तरह अव्यवस्था की भेंट चढ़ गया। कार्यक्रम में पहुंचते ही जहां पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने अव्यवस्था देखकर बिफर गई, वहीं अव्यवस्था का आलम मीडिया दीर्घा में भी देखा गया। यहां हमेशा की तरह जनप्रतिनिधियों ने अतिक्रमण किया हुआ था, जिससे मीडिया साथियों के बैठने तक की जगह नहीं रही। वहीं व्यवस्था की कमान संभालने वाले जिम्मेदार अधिकारी मूक दर्शक बने रहे।

बोड़ला विकासखंड को मिला विशेष दर्जा और उपलब्धियां- जिले का बोड़ला विकासखंड आकांक्षी विकासखंड योजना में सम्मिलित है। केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से इस क्षेत्र में समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा दिया गया है। पिछले वर्ष संचालित तीन माह के संपूर्णता अभियान में जिले ने पूरे प्रदेश में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। यह उपलब्धि जिला प्रशासन, विभागीय अधिकारियों और फील्ड वर्करों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

किरंदुल-बैलाडीला ट्रक ऑनर्स एसोसिएशन चुनाव में मनोज सिंह पैनल ने भरा नामांकन, दावा जीत का

मनोज सिंह और विप्लव मल्लीक पैनल को मिल रहा भारी समर्थन, 13 अगस्त को होगा मतदान

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। किरंदुल-बैलाडीला ट्रक ऑनर्स एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में मनोज सिंह पैनल ने 4 अगस्त को माँ दंतेश्वरी के दर्शन के बाद नामांकन दाखिल किया। पैनल के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी मनोज सिंह और सचिव पद के प्रत्याशी विप्लव मल्लीक ने यूनियन हित और सदस्यों के सम्मान के लिए काम करने का वादा किया। पैनल में उपाध्यक्ष रोहित साहू, विजयंत सिंह गौतम, कोषाध्यक्ष गुनवित सिंह, सह-सचिव विश्वजीत सरकार और इमरान खान शामिल हैं। 995 सदस्य 13 अगस्त को मतदान करेंगे। मनोज सिंह पैनल को भारी समर्थन मिल रहा है, और वे रिकॉर्ड मतों से ऐतिहासिक जीत का दावा

कर रहे हैं। चुनाव चिह्न का आवंटन 5 अगस्त को होगा। विपक्ष को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

एलबी संवर्ग शिक्षकों की प्रथम सेवा गणना की मांग फेडरेशन के मांग पत्र में शामिल

राजनांदगांव (समय दर्शन)। प्रदेश भर के 1,80,000 एलबी संवर्ग शिक्षकों के लिए बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने शिक्षक एलबी संवर्ग की बहुप्रतीक्षित मांग-प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना कर समस्त लाभ देने को अपने मांग पत्र में शामिल कर लिया है।

यह जानकारी छत्तीसगढ़ जागरूक शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष एवं फेडरेशन में शिक्षक एलबी संवर्ग विंग के प्रदेश प्रवक्ता जाकेश साहू ने दी। उन्होंने बताया कि एलबी संवर्ग शिक्षकों की यह मांग वर्षों से लंबित थी, जिसे फेडरेशन के प्रदेश संयोजक कमल वर्मा को लगातार अवगत कराया जा रहा था।

फेडरेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष केदार जैन, मनीष मिश्रा, प्रदीप पांडे, लैलूंन भारतद्वाज, चेतन बघेल, धरमदास बंजारे सहित एलबी संवर्ग के तमाम नेताओं ने इस मुद्दे को लगातार उठाया। नेताओं की सक्रियता और एलबी संवर्ग की संख्या बल को देखते हुए फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा ने इस मांग को अपने प्रमुख मांग पत्र में सम्मिलित कर लिया है। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन द्वारा आगामी 22 अगस्त को प्रदेश के सभी 33 जिला मुख्यालयों में विभिन्न मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन, रैली एवं ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम तय किया गया है। अब इस आंदोलन में एलबी संवर्ग शिक्षकों की प्रथम सेवा गणना कर समस्त लाभ की मांग भी शामिल होगी।

एलबी संवर्ग शिक्षकों ने अपनी मांग को फेडरेशन के मांग पत्र में शामिल कराने हेतु फेडरेशन संयोजक कमल वर्मा एवं नेतृत्व कर रहे सभी पदाधिकारियों का आभार जताया है।

देवरबीजा के विद्यार्थियों ने कांवड़ियों को प्रदान की पेयजल, लोगों ने सराहा

साजा (समय दर्शन)। श्रवण मास के अवसर पर ग्राम भेड़नी से बोल बम समिति एवं बेमेतरा पूर्व विधायक आशीष छावड़ा के नेतृत्व में विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। जलाभिषेक के लिए कांवड़ यात्रा मां नर्मदा धाम ग्राम भेड़नी से देवरबीजा स्थित महाकाल शिव मंदिर पहुंचकर हजारों की संख्या में कांवड़ियों ने जलाभिषेक किया। कांवड़ यात्रा नंगें पैर डीजे धून के साथ सरस्वती ज्ञान मंदिर हाईस्कूल देवरबीजा परिसर से होते हुए निकाली गयी। शिव भक्तों का यह जत्था बोल बम के जयघोष के साथ पूरे श्रद्धा और भक्ति के साथ निकाला। सरस्वती ज्ञान मंदिर हाईस्कूल देवरबीजा के विद्यार्थियों ने सभी कांवड़ियों एवं शिवभक्तों को तपती गर्मी में पेयजल प्रदान की। बच्चों ने स्वयं के व्यय से दुकान से पानी पाउच खरीदकर कांवड़ियों एवं शिवभक्तों को बांटी। पूर्व विधायक आशीष छावड़ा, संस्था प्रमुख पुष्पराज सेन, कांवड़ियों समेत सभी लोगों ने इस पुनीत कार्य को सराहा। हाईस्कूल देवरबीजा संस्था प्रमुख पुष्पराज सेन एवं कांवड़ियों ने बताया कि यह यात्रा न केवल भक्ति का प्रतीक है बल्कि सामाजिक एकता, पर्यावरण जागरूकता, लोक संस्कृति का जीवंत स्वरूप है। यात्रा के दौरान सभी शिवभक्त अनुशासित ढंग से जल लेकर रवाना हुए और रास्ते में धार्मिक गीतों, भजनों व जयघोषों से माहौल भक्तिमय हो गया। संस्था प्रमुख पुष्पराज सेन ने पूर्व विधायक आशीष छावड़ा की जमकर स्वागत किया। कांवड़ यात्रा में मुख्य रूप से बेमेतरा पूर्व विधायक आशीष छावड़ा, देवरबीजा थाना प्रभारी पुलिस,देवरबीजा भूतपूर्व सरपंच नोहर देवांगन, सुरेश दुबे,टी आर साहू,भेड़नी भूतपूर्व सरपंच भागवत दास, एवं संस्था प्राचार्य पुष्पराज सेन समेत शिक्षिकाएं सतरूपा सेन,मिथला यादव, शर्मिला टंडन, कीर्ति कश्यम,संगीता ध्रुव,प्रभा दुबे,अंकिता पात्रे,नेहा साहू, राजेश्वरी गहरवार,तीजन यादव, चित्ररेखा देवांगन एवं शिक्षक अजय साहू उपस्थित रहे।

त्रिगुण सादानी बने विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री, प्रांतीय बैठक में दायित्व विस्तार

राजनांदगांव (समय दर्शन)। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल की प्रांतीय बैठक 1 से 3 अगस्त तक बिलासपुर में आयोजित की गई। बैठक में संगठन के केंद्रीय मंत्री बसंत रथ व क्षेत्रीय संगठन मंत्री जितेन्द्र पवार समेत प्रांत स्तर के पदाधिकारी एवं समस्त जिलों के विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, मातृशक्ति व दुर्गा वाहिनी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में आगामी कार्यक्रमों की दिशा एवं विस्तार को लेकर केंद्रीय पदाधिकारियों ने दिशा-निर्देश दिए। संगठन विस्तार के क्रम में विभिन्न दायित्वों का वितरण किया गया। इसी तारतम्य में त्रिगुण सादानी को विश्व हिंदू परिषद राजनांदगांव का जिला मंत्री नियुक्त किया गया।

प्रांतीय बैठक में अरुण गुप्ता को प्रदेश विधि प्रमुख, अनूप श्रीवास को विभाग मंत्री, तरुण

हथेल व योगेश बागड़ी को जिला उपाध्यक्ष, बबीता मिश्रा को मातृशक्ति सह संयोजिका और दुर्गा चौरे को दुर्गा वाहिनी सह संयोजिका का दायित्व सौंपा गया। बैठक में प्रांत सह मंत्री नंदू राम साहू, विभाग मंत्री अरुण गुप्ता, विभाग सह मंत्री प्रशांत दुबे, विभाग सह संयोजक सुनील सेन, जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्निहोत्री, जिला मंत्री अनूप श्रीवास, सामाजिक समरसता प्रमुख शैलेश मेश्राम (बाबाजी), नगर मंत्री नवीन अग्रवाल, त्रिगुण सादानी, मातृशक्ति संयोजिका अंजलि वाडेकर, बबीता मिश्रा, दुर्गा चौरे सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नवनियुक्त पदाधिकारियों को दायित्व सौंपे जाने पर नंदू राम साहू, प्रशांत दुबे, सुनील सेन, बाबाजी बौद्ध, भारत साहू, चंद्रेश जैन, जुगल शर्मा, दीपक ठाकुर, मनोज यादव, अशोक श्रीवास, निलेश निषाद, हनी गुप्ता, लालमुनाई, लव कुमार मिश्रा, तरुण सादानी, अंकित खंडेलवाल, कुबेर साहू समेत विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बधाई दी और संगठन को नई ऊर्जा मिलने की बात कही।

चर्म रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति व कैथ लैब के लिए लगाई गुहार

ग्राम गोंडपेंड्री में जल निकासी बाधित, गांव में जलभराव से बीमारियों का खतरा,- जनदर्शन में 105 आवेदन प्राप्त हुए

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर श्री उत्तम ध्रुव ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 105 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन कार्यक्रम में ग्राम सभा नंदकठी एवं ग्रामवासियों ने बताया कि गांव की शासकीय चारागाह भूमि पर कुछ किसानों द्वारा धान और सब्जी की फसल बोई जा रही है, जिससे मवेशियों के लिए चारे की समस्या उत्पन्न हो गई है। चरवाहों ने पशुओं को चराने से इनकार कर दिया है, जिसके चलते मवेशी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ग्राम सभा में इस संबंध में

बात रखी गई, जिसके उपरांत कुछ किसानों ने कब्जा हटाया, लेकिन अभी भी कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण जारी है। ग्रामवासियों ने अतिक्रमण हटाकर चारागाह भूमि को मुक्त कराने की मांग की है। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्ग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

दुर्ग निवासी ने जिला चिकित्सालय में चर्म रोग विशेषज्ञ डॉक्टर की नियुक्ति करने व कैथ लैब की व्यवस्था के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय में चर्म रोग विशेषज्ञ डॉक्टर की नियुक्ति नही होने से एवं कैथ लैब के अभाव में मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। त्वचा संबंधी रोगों से पीड़ित लोगों को निजी क्लीनिकों में जाना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। इसी तरह ग्राम गोंडपेंड्री के किसानों एवं ग्रामवासियों ने जल निकासी रास्ता बंद किए जाने की शिकायत की। ग्राम गोंडपेंड्री (तहसील पाटन) के किसानों ने बताया कि खदान मालिक द्वारा जल निकासी का रास्ता बंद कर दिए जाने के कारण लगभग 70 एकड़ कृषि भूमि पर फसले बर्बाद होने की स्थिति में हैं। जल निकासी रास्ता बंद करने से गांव की बस्ती में पानी भरने से मौसमी बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। इस संबंध में डिप्टी कलेक्टर ने एसडीएम और तहसील पाटन को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। इस दौरान नगर निगम दुर्ग, रिसाली, भिलाई, खाद्य विभाग, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

खबर-खास

सावन की रात भूतेश्वरनाथ में दिखा अलौकिक नज़ारा,लेजर लाइट शो में उभरीं शिव की गाथाएं

गरियाबंद (समय दर्शन)। सावन के पवित्र माह में जब सम्पूर्ण वातावरण बोल बम की गूंज से भक्तिमय हो उठा है,तब गरियाबंद के विश्व प्रसिद्ध श्री भूतेश्वरनाथ महादेव मंदिर में शिवभक्तों की आस्था ने नई ऊँचाई छू ली। 3 अगस्त रविवार की रात श्री भूतेश्वर युवा भंडारा समिति द्वारा आयोजित लेजर लाइट एवं डीजे साउंड शो ने श्रद्धा और तकनीक के अद्भुत संगम का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

जब लाइटिंग बनी भक्ति का माध्यम,,,,- शिवलिंग पर जब रंग-बिरंगी लेजर किरणों ने शिव महिमा की छवि उकेरी,तो मानो खुद कैलाश यहाँ उतर आया हो। लेजर लाइट के ज़रिए भूतेश्वरनाथ पर उकेरी गई कलाकृतियों ने दर्शकों को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया।शो में शिव तांडव,देवी दर्शन,रामभक्ति,हनुमान लीला और देशभक्ति से जुड़े मनोहारी दृश्य प्रस्तुत किए गए। लेजर लाइटिंग ने सिर्फ प्रकाश नहीं बिखेरा उसने श्रद्धा को दृश्य रूप दिया।

डीजे पर गूंजे भक्ति राग, थिरके शिवभक्त ,,,,,,डिजिटल साउंड के साथ शिव भजनों की गूंज ने मंदिर प्रांगण को आध्यात्मिक थिरकन से भर दिया। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने मंत्रमुग्ध होकर भजनों पर झूमते हुए भोलेनाथ का गुणगान किया। देर रात तक चला यह शो, सिर्फ मनोरंजन नहीं, एक भक्ति-उत्सव बन गया।

भंडारा सेवा: केवल भोजन नहीं,समर्पण की पराकाष्ठा,,,,,,,समिति के अध्यक्ष दीप सिन्हा ने बताया कि इस आयोजन की शुरुआत वर्षों पहले कुछ युवाओं के छोटे से समूह से हुई थी, जो अब एक विशाल सेवा परिवार बन चुका है। प्रत्येक रविवार को समिति के सदस्य अपने हाथों से पुलाव, चना-सब्ज़ी और हलवा बनाते हैं और 10,000 से अधिक श्रद्धालुओं को प्रेमपूर्वक प्रसाद परोसते हैं। यह भोजन नहीं, श्रद्धा और अपनत्व का प्रसाद है।

स्वास्थ्य सेवा में भी आगे युवा समिति- इस वर्ष समिति ने सेवा को और विस्तारित करते हुए प्राथमिक चिकित्सा किट और दवाइयों की भी व्यवस्था की। सैकड़ों किलोमीटर की पदयात्रा कर आने वाले कांवड़ियों के लिए यह सेवा किसी वरदान से कम नहीं।

लखनऊ उत्तरप्रदेश से अपहृत बालिका को दस्तयाब कर सूरजपुर पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

सूरजपुर (समय दर्शन)। प्रेमनगर थाना क्षेत्र अन्तर्गत एक व्यक्ति ने थाना प्रेमनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी नाबालिक पुत्री घर से परीक्षा देने गई थी जो वापस नहीं लौटी है जिसकी काफी खोजबीन करने पर नहीं मिली, किसी अज्ञात आरोपी के द्वारा बहला फुसलाकर भगाकर ले गया है। सूचना पर थाना प्रेमनगर में गुम इंसान कायमी उपरान्त अपहरण की धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने महिला एवं बच्चों के विरूद्ध अपराध पर संवेदनशील होकर शीघ्रता से कार्यवाही करते हुए अपहृत को दस्तयाब करने के निर्देश दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी के मार्गदर्शन में थाना प्रेमनगर पुलिस के द्वारा अपहृत बालिका की लगातार पतासाजी करने के दौरान तकनीक की मदद ली गई जिससे ज्ञात हुआ कि वर्तमान में अपहृता लखनऊ उत्तरप्रदेश में है जिसके बाद पुलिस टीम विधिवत् लखनऊ के लिए रवाना हुई और गहन पतासाजी करते हुए आरोपी साहिल उर्फ अमन उम्र 22 वर्ष निवासी लखनऊ उत्तरप्रदेश के कब्जे से अपहृत बालिका को दस्तयाब कर वापस लाया गया। मामले की विवेचना में पृथक से 65(1), 87 बीएनएस व पास्को एक्ट की धारा 6 जोड़ी जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रेमनगर विराट विशी, एएसआई रंजीत सोनवानी, प्रधान आरक्षक विनय किस्पोट्टा, आरक्षक रौशन सिंह, नागेन्द्र प्रसाद राजवाड़े, बृजेश काशी, महिला आरक्षक सिंधू कुजूर, अंजू सिंह सक्रिय रहे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के हाथों सम्मानित हुए देवेन्द्र रात्रे

सारंगढ़ (समय दर्शन) : प्रदेश भारतीय जनता पार्टी द्वारा सदस्यता महा अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्यकर्ता सम्मान मुख्यमंत्री निवास अटल नगर नया रायपुर में आयोजित किया गया।जिसमें भारतीय जनता पार्टी सारंगढ़ के कार्यकर्ता पूर्व मंडल अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी श्री देवेन्द्र रात्रे को सदस्यता श्री सम्मान से मुख्यमंत्री माननीय श्री विष्णुदेव साय जी के हाथों सम्मानित किया गया है।*

इस शुभ अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण देव सिंह जी पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह जी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री सरोज पाण्डेय जी क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जामवाल जी संगठन महामंत्री श्री पवन साय जी उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा जी छत्तीसगढ़ शासन के मंत्रीगण, विधायक गण, सांसद गण एवं प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

*देवेन्द्र रात्रे छात्र राजनीति से ही सक्रिय रहे हैं सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सारंगढ़ में शाला नायक सहित विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किए हैं। पंडित लोचन प्रसाद पाण्डेय महाविद्यालय सारंगढ़ में छात्रसंघ अध्यक्ष, साइंस क्लब सचिव सहित विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किए हैं। छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में प्रदेश से लेकर जिला एवं मंडल में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं।भारतीय जनता युवा मोर्चा में मंडल अध्यक्ष,जिला उपाध्यक्ष सहित विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किए हैं।भारतीय जनता पार्टी में मंडल अध्यक्ष के दायित्व का निर्वहन कर चुके हैं। *इस सदस्यता महा अभियान 2024टु25 के तहत सैकड़ो गांव जाकर घर-घर संपर्क कर ऑनलाइन सदस्यता भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में उनके द्वारा करवाया गया है जिससे भारतीय जनता पार्टी को मजबूती मिली है। देवेन्द्र रात्रे को सदस्यता श्री सम्मान मिलने पर भारतीय जनता पार्टी विधानसभा सारंगढ़ एवं जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के कार्यकर्ताओं द्वारा शुभकामनायें प्रेषित किए हैं।

भारत माता वाहिनी के माध्यम से नशे के खिलाफलोगों को करें जागरूक

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर ने दिए दुर्घटनाओं की रोकथाम के निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उइके एवं पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने आज कलेक्ट्रोरेट सभाकक्ष में सड़क सुरक्षा समिति एवं नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिये।उन्होंने आमजनों की जान-माल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।शराब पीकर वाहन चलाने वाले पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने बैठक में जिले के सड़क सुरक्षा के लिए अपनाए जाने वाले प्रावधानों एवं सड़कों पर होने वाले दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किये जाने वाले उपायों पर विस्तृत चर्चा की।कलेक्टर ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी उपाय अपनाने के निर्देश दिये। उन्होंने दुर्घटना संभावित स्थानों एवं ब्लैक स्पॉट की पहचान कर आवश्यक सुधार कार्यवाही भी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि खुले वाहनों में लोगों के परिवहन करने से दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।उन्होंने लोगों को खुले वाहनों में परिवहन न करने के समझाईश देने गांवों में मुनादी कराने के निर्देश दिये।उन्होंने जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सहायक सड़कों के दुर्घटनाजन्य वाले स्थानों को चिन्हित कर रंबल स्ट्रिप बनाने, आवश्यक स्थानों पर साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिये। उन्होंने सड़कों एवं पुल-पुलियों के पास यातायात संकेतक,चेतावनी,ट्रैफ्फिक कॉलिंग हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इस दौरान पुलिस विभाग द्वारा बताया गया कि यातायात पुलिस द्वारा जिले के नेशनल हाईवे रोड व राज्य मार्ग एवं अन्य रोड पर दुर्घटना जन्य स्थानो का निरीक्षण कर मोड़ वाले स्थान व पुल पुलिया वाले स्थानो पर आवश्यकता अनुसार झाडियों को हटाकर रास्ते को दृश्य योग्य बनाकर रोड किनारे पेड़ों पर रेडियम टिकली लगाया गया है।जिससे उक्त रास्ते में रात के समय चलने वाले वाहन चालको को रोड की स्थिति का सही अनुमान होने से सड़क दुर्घटना होने की संभावना को कम करने की दिशा में आवश्यक कार्य किया गया है।उन्होंने बताया कि दुर्घटनाजन्य स्थानों का संयुक्त टीम जिला परिवहन विभाग,पुलिस विभाग,राजकीय राजमार्ग विभाग,पी.डब्लूय.डी.विभाग, लोक निर्माण विभाग के द्वारा समन्वय स्थापित कर सुधार योग्य स्थानों पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। नशामुक्ति के लिए लोगों को करे जागरूक - कलेक्टर श्री उइके ने नशामुक्त भारत अभियान समिति की बैठक में लोगों को नशा के खिलाफ जागरूक करने गठित भारत माता वाहिनी को सक्रिय करने के निर्देश दिये। साथ ही समिति के माध्यम से तथा स्वास्थ्य,शिक्षा एवं समाज कल्याण विभाग के समन्वय से नशे के खिलाफ व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिये।उन्होंने स्कूल,कॉलेजों एवं सार्वजनिक संस्थानों में भी नशा के खिलाफ लोगों को जागरूक करने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करने के निर्देश दिये। उन्होंने भारत माता वाहिनी समूह के सदस्यों एवं वालेंटियरों को आवश्यक प्रशिक्षण दिलाने के भी निर्देश दिये। कलेक्टर ने नशामुक्ति के लिए संचालित नशामुक्ति केन्द्र की जानकारी लेकर केन्द्र में लोगों की उपस्थिति एवं उन्हें दिये जाने वाले काउंसलिंग के वस्तुस्थिति की भी जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये।

जिले में नशीली पदार्थों के नियंत्रण हेतु समन्वय समिति की बैठक आयोजित

कलेक्टर ने एनकॉर्ड जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में दिये निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)।कलेक्टर बी.एस.उइके एवं पुलिस अधीक्षक निखिल कुमार राखेचा ने संयुक्त रूप से आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले में स्वापक औषधि मन: प्रभावी पदार्थो या नशीली पदार्थो के प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक ली।उन्होंने बैठक में जिले में नशीली पदार्थो के प्रभावी नियंत्रण के लिए विभिन्न विभागों और एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित कर रोकथाम की लगातार कार्यवाही करने के निर्देश दिये। साथ ही जिले में सक्रियता के साथ नशीली दवाईयों के रोकथाम के लिए कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये।उन्होंने पूर्व के बैठकों में दिये गये निर्देशों के तहत की गई कार्यवाही की भी समीक्षा की। साथ ही आगे भी लगातार कार्यवाही करने के निर्देश दिये।उन्होंने सीमा पार नशीली दवाईयों के आवागमन में रोक लगाने,लगातार चेकिंग एवं सीसीटीवी कैमरा लगाने के के निर्देश दिये। साथ ही अवैध शराब पर भी लगातार कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने स्पर्श क्लिनिक की माध्यम से नशे की लत से पीड़ित मरीजों को आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श एवं उपचार दिलाने के निर्देश दिये। साथ ही नशामुक्ति के लिए जारी टोलफ्री नम्बर 14446 एवं अवैध मादक पदार्थ की रिर्पोटिंग के लिए जारी मानस टोलफ्री एंटी नार्कोटिक्स हेल्पलाईन नम्बर 1933 के बारे में लोगों को अधिक से अधिक जागरूक करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार जिले के स्कूल,कॉलेज परिसर, गार्डन,चौक-चौराहो या अन्य सार्वजनिक स्थानों में यदि नशा करने वाले असामाजिक तत्वों की गतिविधियां हो रही है,तो पुलिस प्रशासन के वाट्सअप हेल्पलाईन नम्बर 94792-25884 में शिकायत कर सकते है।सूचित करने वाले की जानकारी गोपनीय रखी जायेगी। उन्होंने अधिकारियों को उपरोक्त नम्बरों को सभी गांवों में दीवाल राइटिंग करवाने एवं आवश्यक मुनादी भी करवाने के भी निर्देश दिये। श्री उइके ने स्कूलों के 100 मीटर के आसपास नशीली एवं मादक पदार्थों के बिक्री पर नजर रखते हुए तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिये।साथ ही इसका महिला एवं बाल विकास विभाग,नगरीय निकाय,ग्राम पंचायत,स्कूल एवं उच्च शिक्षा विभाग,आबकारी,स्वास्थ्य,समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को व्यापक प्रचार एवं दीवार लेखन भी कराने के निर्देश दिये। इस दौरान बैठक में अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे,नवीन भगत,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र चन्द्राकर,समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डी.पी ठाकुर, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महा प्रबंधक दीनबंधु ध्रुव,कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास अशोक पाण्डेय, सहायक ड्रग कंट्रोलर संजय राजपूत सहित समन्वय समिति के सदस्यगण शामिल हुए। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि चेकपोस्ट, बैरियरों के द्वारा सघन निगरानी कर संदिग्ध वाहनों की लगातार जांच की जाए।जिले में नशीली पदार्थों के रोकथाम के लिए लगातार व्यापक अभियान चलाएं जाए। जिले में नशीली पदार्थों के बारे में जागरूकता लाने एवं रोकथाम के लिए आवश्यक कार्यवाही करे।साथ ही लोगों को इसके दुरुपयोग से दूर रहने के लिए जागरूक करने आवश्यक प्रचार-प्रसार भी करे।उन्होंने औषधि विभाग के अधिकारियों को दवाइयों का औचक निरीक्षण कर नशीली दवाईयों के स्टॉक,एन्ट्री एवं बिक्री आदि की भी जानकारी लेने के निर्देश दिये।कलेक्टर श्री उइके ने स्कूल,कॉलेज के 100 मीटर के दायरें में तंबाकू युक्त एवं नशीली पदार्थों की बिक्री पर कोटपा अधिनियम के तहत सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत पंडरभट्ठा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, महिलाओं को दी गई स्वास्थ्य एवं पोषण की जानकारी

बेमेतरा (समय दर्शन:)। महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब) द्वारा भारत सरकार की कार्ययोजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित, सक्षम और सशक्त बनाने के उद्देश्य से ग्राम पंडरभट्ठा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के श्री चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्व स्तनपान सप्ताह (01 से 07 अगस्त 2025) के अवसर पर गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना था। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री सिसोदिया ने माताओं को 6 माह तक अनवरत स्तनपान कराने, पहले पीले गाढ़े दूध (कोलेस्ट्रम) के लाभ, तथा 'रेडी टू ईट' पोषण आहार, तिरंगा भोजन, और स्थानीय साग-सब्जियों व फ्लों के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दी। साथ ही संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, मातृ एवं शिशु मृत्युदर में कमी लाने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई, जिनमें प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, नोनी सुरक्षा योजना, छत्तीसगढ़ महिला कोष की सक्षम योजना और ऋण योजनाएं प्रमुख रहीं। प्रधानमंत्री मातृवंदना विशेष पंजीकरण अभियान (15 जुलाई से 15 अगस्त 2025) के तहत गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर पोषण युक्त गर्भावस्था के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। योजना के तहत प्रथम बच्चे के लिए कुल ?5000 और दूसरे बच्चे (बालिका होने पर) हेतु ?6000 की सहायता राशि प्रदान की जाती है। पात्र महिलाएं पंजीकरण के लिए निकटतम आंगनबाड़ी केंद्र या आशा कार्यकर्ता से संपर्क कर सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान 26 किशोरी बालिकाओं एवं महिलाओं को एक माह का निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर श्रीमती पिंकी निषाद द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण करने पर उन्हें जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री सिसोदिया और ग्राम सरपंच श्रीमती वेदशिखा साहू के करकमलों से प्रशस्ति-पत्र वितरित किए गए और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-02 परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर प्रभारी परियोजना अधिकारी स्मिता सिंह, जिला मिशन समन्वयक श्री राजीव कुमार वर्मा, जेण्डर विशेषज्ञ श्रीमती सेवन्तिका साहू, सखी वन स्टॉप सेंटर की केन्द्र प्रशासक राखी यादव, पर्यवेक्षक श्रीमती रूचि ठाकुर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं और बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

कैलिफोर्निया बादाम के साथ एक स्वस्थ रक्षाबंधन मनाएं

रक्षाबंधन हमारे त्योहारों के मौसम की शुरुआत करता है और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का उत्सव है, जिसमें बहनें भाइयों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं, और भाई उन्हें जीवनभर सुरक्षा और सहयोग देने का वचन देते हैं। इस वर्ष, इस प्यार को सेहत की सौगात से और खास बनाएं ङ्क ताकि आपका भाई या बहन हमेशा स्वस्थ, सफ्ल और खुशहाल रहें। मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली की रीजनल हेड-डायटीटिक्स रितिका समद्दार ने कहा, रक्षाबंधन जैसे त्योहारों में लोग अक्सर हेल्दी होने के बजाय जंक फूड का आनंद लेते हैं, जिससे उनकी सेहत और वजन पर असर पड़ता है। मैं चाहती हूं कि लोग त्योहारों को सोच-समझकर मनाएं और बादाम जैसे पौष्टिक विकल्प अपनाएं। बादाम जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और अस्वास्थ्यकर स्नैक्स का बेहतरीन विकल्प हैं। ताजा ड्डष्टस्क्र गाइडलाइंस के अनुसार, रोजाना बादाम खाना हमारे लिए बहुत फायदेमंद है क्योंकि ये पौधे आधारित प्रोटीन और लंबे समय तक स्वस्थ रहने में मदद करते हैं। बादाम की नियमित खपत से सिर्फसेहत ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार की खुशहाली और समृद्धि भी सुनिश्चित होती है। बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान ने अपने रक्षाबंधन सेलिब्रेशन के बारे में बताया, रक्षाबंधन हमारे लिए बहुत खास दिन है।

नाम परिवर्तन

मैं उमेश कुमार साहू पिता श्री मनीराम साहू जाति तेली निवासी ग्राम डंगनिया तहसील बोडला. जिला कबीरधाम छ.ग., मेरे पुत्र मोक्ष पिता श्री उमेश कुमार साहू एवं माता श्रीमती फुलकैना साहू का जन्म दिनांक 26/04/2018 को रूप जीवन हास्पिटल कवर्धा में हुआ है जिसका जन्म प्रमाण पत्र नगर पालिका परिषद कवर्धा से जारी हुआ है जिसमें पुत्र का नाम मोक्ष दर्ज है जो कि मैं अपने पुत्र के नाम साथ सरनेम मोक्ष साहू दर्ज कराना चाहता हूं । यह कि मेरे पुत्र का आधारकार्ड में सरनेम दर्ज करने हेतु जन्म प्रमाण पत्र में सरनेम दर्ज कराने हेतु कहा गया है। मेरे पुत्र मोक्ष के जन्म प्रमाण पत्र में सिर्फ मेरे पुत्र का पूरा सही नाम मोक्ष साहू दर्ज कर आनलाईन जन्म प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

//न्यायालय नजूल अधिकारी कबीरधाम (छ.ग.)//

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. ई पंजी /207507082200018/ अ-6/ वर्ष 2024 25

आवेदक संदीप कुमार सोनी पिता छब्बू साकिन कवर्धा जिला कबीरधाम द्वारा नजूल नगर कवर्धा स्थित शीट क्रमांक 15 ए भूखंड क्रमांक 9/3 क्षेत्रफ्ल 84.95 व.मी.जो नजूल संधारण खसरा में विनीता पति चंद्रहास गुप्ता साकिन के नाम पर भूमि स्वामी के रूप में दर्ज है। उक्त भूखंड के मूलाधारिका द्वारा क्रेता संदीप कुमार सोनी पिता छब्बू के पक्ष में संपूर्ण भूखण्ड का पंजीकृत बैनामा दिनांक 01.07.2025 निष्पादित किये जाने से अपना नाम नजूल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति एव संस्था को उजर अथवा आपत्ति होने इस न्यायालय दिनांक 28/8/25 तक स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर मान्य नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 28/7/25 को इस न्यायालय के पद मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

जारी दिनाक 28/7/2025
पेशी दिनाक 28/8/2025

मुहर

नजूल अधिकारी कबीरधाम

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सरायपाली, जिला महासमुन्द

// ईश्तहार //

क्रमांक 950/क/ भू. व्यप / अविअ/2025 सरायपाली दिनांक 30/06/2025

आवेदक गणेशराम नाहू पिता शौकीलाल निवासी ग्राम जोगनीपाली तहसील सरायपाली जिला महासमुंद के द्वारा ग्राम जोगनीपाली में स्थित भूमि खसरा नंबर 562 रकबा 0. 3400 हे. में से 0.04 हे. भूमि को कृषि मद से भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने हेतु बी-1, नक्शा एवं खसरा के बैनामा के साथ आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा आवेदित उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति/दावा प्रस्तुत करना हो तो इस न्यायालय में दिनांक 14/07/2025 तक स्वयं या अपने अभीभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत्त अवधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सरायपाली

मुहर

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग दुर्ग मण्डल, दुर्ग (छत्तीसगढ़)
// निविदा निरस्त करने की सूचना //

इस कार्यालय की निविदा सिस्टम क्रं 131/172406 एवं 132/172407 ज्ञाप क्र. 5580/सा./2025 दुर्ग दिनांक 15.07.2025 जिसका जी क्र. 252602348/3 का अपरिहार्य कारणों से निविदा निरस्त किया जाता है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष- 0788-2210876

जी नं- 252602577/1

संक्षिप्त-खबर

डाक विभाग के एडवांस पोस्टल टेक्नोलॉजी का शुभारंभ

भिलाई (समय दर्शन)। भारतीय डाक विभाग द्वारा 4 अगस्त को दुर्ग संभाग सहित पूरे छत्तीसगढ़ परिमंडल में आईटी 2.0 का रोलआउट किया गया । भारतीय डाक का आईटी 2.0 एक डिजिटल परिवर्तन परियोजना है। जिसका उद्देश्य डाक सेवाओं को आधुनिक बनाना और ग्राहकों को बेहतर, तेज़ और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करना है,प्रवर अधीक्षक डाकघर दुर्ग बी. एल. जांगड़े ने बताया कि दुर्ग संभाग के 398 शाखा डाकघरों और दुर्ग प्रधान डाकघर सहित सभी 60 उपडाकघरों को आईटी 2.0 में रोलआउट किया गया। उन्होंने जानकारी दिया कि यह परियोजना डाकघरों में प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाएगी और विभिन्न सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराएगी। अब इसके माध्यम से नागरिक बिना पोस्ट आफिस आये अपने घर से ही ऐप और पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्री पोस्ट स्पीड पोस्ट बुकिंग और मनी ऑर्डर बुकिंग जैसी सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे और डाकविभाग द्वारा प्रदान की जा रही डिजिटल यूपीआई भुगतान, ऑनलाइन ट्रैकिंग, और विभिन्न फॉर्मों की ऑनलाइन उपलब्धता और Doorstep Service का उपयोग कर पाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि आईटी 2.0 उद्देश्य डाक सेवाओं की दक्षता में सुधार करना है। जिससे ग्राहकों को तेज़ और अधिक विश्वसनीय सेवाएं मिलेंगी. यह परियोजना डाक सेवाओं को अधिक पारदर्शी और कुशल बनाने में मदद करेगी। आई टी 2.0 भारतीय डाक को आधुनिक बनाने और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जिसमें न केवल वर्तमान में उपयोग किए जा रहे सॉफ्टवेयरो को नए डिजिटल इंटरफेस में अपग्रेड किया जा रहा है अपितु आधुनिक भारत की नई जरूरतों के लिए डाकविभाग को और अधिक प्रोन्नत कर जनता को प्रदान की जा रही सेवाओ की गुणवत्ता में सुधार किया जा रहा है।

एनएमडीसी किरन्दुल में अंतर-परियोजना टेबल टेनिस प्रतियोगिता 2025 का शानदार शुभारंभ

किरन्दुल, बचेली, डोनीमलाई और पन्ना की टीमें टूर्नामेंट में दिखाएंगी दमखम

दंतेवाड़ा किरन्दुल (समय दर्शन)। एनएमडीसी लिमिटेड बैलाडीला आयरन ओर माइन्स, किरन्दुल कॉम्प्लेक्स के सौजन्य से क्रीड़ा सलाहकार समिति के तत्वाधान में रिक्रिएशन क्लब में अंतर-परियोजना टेबल टेनिस प्रतियोगिता 2025 का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार को एनएमडीसी के जीएम (मटेरियल) पी.वी. एंटोनी ने किया। इस टूर्नामेंट में एनएमडीसी की चार परियोजनाओं - किरन्दुल, बचेली, डोनीमलाई और पन्ना की टीमें उत्साहपूर्वक हिस्सा ले रही हैं। उद्घाटन समारोह में उप-महाप्रबंधक (एचआर) के.एल. नागवेणी, डॉ. एम.वी. लाल, डॉ. अभिषेक, अजय बागे, तनवीर जावेद, संजय पाटील, बी.एल. तारम और पतिराम बघेल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह प्रतियोगिता कर्मचारियों के बीच खेल भावना और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने का एक शानदार मंच साबित होगी।

छत्तीसगढ़ सरकार ने नुआखाई पर्व के लिए घोषित की सार्वजनिक छुट्टी

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में पश्चिमी ओडिशा समाज के प्रमुख त्योहार नुआखाई के लिए ऋषि पंचमी के दिन सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा की है। इस संबंध में सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है, जिसके तहत अब नुआखाई पर्व के अवसर पर पूरे राज्य में छुट्टी रहेगी। इस निर्णय का छत्तीसगढ़ घासी-घासिया समाज ने हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया है। समाज के प्रदेश महामंत्री गोलू नायक ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को घासी-घासिया समाज की ओर से हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय समाज की सांस्कृतिक पहचान को सम्मान देने वाला एक ऐतिहासिक कदम है। नुआखाई पर्व पश्चिमी ओडिशा और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है, जिसमें नई फसल की पूजा और सामाजिक एकता का उत्सव शामिल होता है। इस छुट्टी की घोषणा से पर्व की तैयारी और उत्सव में लोगों की भागीदारी को और बढ़ावा मिलेगा।

शास हायर सेकण्डरी स्कूल कुड़ेकेल बसना में छात्र संघ का गठन

बसन ा(समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुड़ेकेल मे छात्र संघ का गठन किया गया ।

विद्यालय के प्रभारी व्याख्याता डी.सी.पालेकर, सहायक प्रभारी आर.के.पटेल के निर्देशन में सत्र 2025-26 के लिए सर्वसम्मति से शाला नायक कु.कामिनी दीप, उप शाला नायक बसंत पटेल ,छात्रा प्रतिनिधि कु.अंशु यादव , सांस्कृतिक सचिव कु.मधु सागर एवं कु.सीमा साव क्रीड़ा सचिव कु.मनीषा सागर एवं कु.कुसुम सागर , स्वच्छता प्रभारी कु.लक्ष्मी पटेल ,कु.संजना साव,रितेश सिदार,ओंकार निषाद ,उद्यानिकी प्रभारी कु.प्रीति सिदार, कु.लक्ष्मी पटेल,कृष साव, टंकेश साव, अनुशासन प्रभारी कु. हंसीना भोई, कु.ईशा सागर ,धीरज , कु.रीता विश्वकर्मा ,खोया पाया विभाग कु.प्रेमशिला सिदार,प्रार्थना प्रभारी कु.प्रतिमा पटेल ,कु.प्रीति सिदार, कु.सरोजिनी सिदार, कु. नेहा पटेल ,कु.जानवी पटेल इसी प्रकार कक्षा नायक 9 वीं कु.हीना सागर , बनीता राय एवं चुम्मन सागर ,कक्षा नायक 10 वीं कु.मुस्कान सागर , कु.ईशा पटेल उप कक्षा नायक लोभान सिंह सिदार,कक्षा नायक 11 वीं कु.महेंद्री धुवल ,कु.मुस्कान भोई,कक्षा नायक 12 वीं उदय कुमार साव को नियुक्त किया गया ।

छात्र संघ गठन के बाद प्राचार्य बलदेव मिश्रा ने छात्रसंघ के सभी विद्यार्थियों को विद्यालय संचालन मे सक्रिय भूमिका निभाते हुए विद्यालयीन गतिविधियों में रचनात्मकता के साथ आगे बढ़ने प्रेरित किये एवं पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई । इस कार्यक्रम के दौरान समस्त स्टाफ व विद्यालय परिवार उपस्थित रहे।

नव पदस्थ बसना बीआरसी डोल्हे ने शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने, लिया बिंदुवार समीक्षा बैठक

- बसना शिक्षा विभाग मे पारदर्शिता लाने सार्थक प्रयास

बसना (समय दर्शन)। विकासखंड स्त्रोत समन्वयक कार्यालय बसना में संकुल समन्वयकों की बैठक लिया गया। जिसमें मुख्य रूप से विकासखंड शिक्षा अधिकारी विनोद शुक्ला, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक बद्री विशाल जोल्हे, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर कंवर उपस्थित थे।

सर्वप्रथम बीआरसी जोल्हे ने शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए बिंदुवार समीक्षा किया गया। बिंदु में मुख्य एजेंडा है कि, समस्त विद्यार्थियों को पुस्तक पर्याप्त मिले एवं सभी पुस्तकों को स्कैन किया जाए।

नि:शुल्क गणेश वितरण पर आपूर्ति मांग के विषय पर भी बात रखी गई। विकासखंड के सभी विद्यालयों में 6 अगस्त को विशाल मेगा पालक बैठक सम्मेलन का आयोजन करना सुनिश्चित है।

सभी शिक्षकों को शिक्षक डेली डायरी विद्यार्थी सूचकांक बनाने का निर्देश दिया गया है। उच्च अधिकारी के जो भी दिशा निर्देश आदेश आता है उसे समय पर पूर्ण करने का सभी समन्वयकों को बताया गया। विनोद शुक्ला ने सभी को जीवन में सफलता अर्जित करने के लिए पाँच बातें बताकर सभी समन्वयकों को प्रेरित किया गया।

अंत में संघ के पदाधिकारियों का स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षक विजय घृतलहरे जिला अध्यक्ष संयुक्त शिक्षक संघ, नीलाम्बर नायक ब्लॉक अध्यक्ष सयुंक्त संघ, शरण दास सहायक शिक्षक फेडरेशन, वारिश कुमार टीचर एसोसिएशन संघ शामिल थे। इस अवसर पर समन्वयक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अनिल साव एवं संयोजक डिजेन्द्र कुर्रे ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सचिव सुरेश नन्द के द्वारा किया गया।

जागृति कोलता समाज महिला मंडल बसना ने मनाया सावन महोत्सव

बसना (समय दर्शन)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जागृति कोलता समाज बसना महिला मंडल द्वारा सावन महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती निरुपमा विशाल ने बताया कि इस वर्ष समाज के अध्यक्ष श्री एन. एल. भोई , श्रीमती मंदाकिनी साहू प्रदेश महिला सदस्य , श्रीमती आल्हादिनी भोई , एवम श्री सुरेश सामल उपस्थित थे। सर्वप्रथम अतिथियों एवम महिला मंडल के सदस्यों द्वारा माता रामचंडी एवम राधाकृष्ण की पूजा की गई , भजन गा कर उनको झूला झुलाया गया। उसके पश्चात विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य आकर्षण कोलता क्वीन 2025 का चुनाव भी था। कोलता क्वीन 2025 का खिताब इस बार श्रीमती गीतांजलि नयन प्रधान रहीं उनको पूर्व कोलता क्वीन श्रीमती मंजू भोई द्वारा क्राउन एवम सेसे पहनाकर बधाई दी गई। खेलों में मटका फोड़ में श्रीमती मधुबाला श्यामल भोई प्रथम रहीं। सुरीली कुर्सी में श्रीमती भाग्यश्री भीष्म प्रधान प्रथम एवम श्रीमती अंजना राकेश साहू द्वितीय रहीं। इसके पश्चात भजन कार्यक्रम की प्रस्तुति महिलाओं द्वारा दी गई। महिलाओं में मुख्य रूप से श्रीमती सचिता बेहरा , रत्नमंजरी सामल , अनीता प्रधान , संगीता प्रधान , तपश्विनी सामल, दीपांजलि प्रधान , जयंती बारीक , पद्मिनी साहू , अनुपमा प्रधान , लक्ष्मी भोई , सुजाता प्रधान , रंजू साहू , आदि का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती त्रिवेणी बढ़ाई महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन श्रीमती निरुपमा विशाल द्वारा किया गया।

ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर बघेरा दुर्ग में रक्षा बंधन एवं सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन

- अगर आप बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहते हैं,तो उनसे बात करिए उनकी समस्याओं को समझिए- विजय अग्रवाल एसएसपी दुर्ग
- क्षाबंधन में दो शब्द प्योरिटी और प्रोटेक्शन यह दो शब्दों से ही वास्तव में रक्षाबंधन का कनेक्शन -ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय बघेरा दुर्ग के कमला दीदी सभागार में रक्षाबंधन एवं सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें बतौर मुख्य अतिथि विजय अग्रवाल एस.एस.पी. दुर्ग ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी (संचालिका ब्रह्माकुमारी दुर्ग), ब्रह्माकुमारी चैतन्य प्रभा एवं नगर के अनेक गणमान्य नागरिकगण इस आयोजन में सम्मिलित हुए। रक्षाबंधन के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डालते हुए ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी ने कहा कि रक्षा बंधन में बहन अपने भाई को राखी बांधती है बहन भाई का मुख मीठा कराती है एवं भाई बहन को खर्ची देते हैं इसका अर्थ है आज आप सभी इस आनंद सरोवर में रक्षाबंधन कार्यक्रम में उपस्थित हुए हैं आज हम आपसे यह खर्ची मांगते हैं कि आपके जीवन में जो भी बुराई है उसे खर्ची के रूप में यहां छोड़कर जाने का दृढ़ संकल्प करें। रक्षाबंधन में दो शब्द है बहुत मीठे शब्द हैं प्योरिटी और प्रोटेक्शन यह दो शब्दों से ही वास्तव में रक्षाबंधन का कनेक्शन है और आज देखिए हमको सबसे ज्यादा तंग या परेशान करने वाला कौन है सबसे ज्यादा हमको तंग या परेशान करने वाली कौन सी चीज है जो लगातार हमारे मन में चलती रहती है वह है हमारी ही अपनी वेस्ट थॉट्स, नेगेटिव थॉट्स नेगेटिव संस्कार इसीलिए कहते हैं की श्रेष्ठ संस्कार श्रेष्ठ संसार का निर्माण करती है हम सब एक ऐसी दुनिया चाहते हैं जहां सभी सुरक्षित हो आप में से जो श्रेष्ठ संसार चाहते हैं तो उसके लिए हमें अपनी संस्कारों को श्रेष्ठ बनाना पड़ेगा और संस्कारों को श्रेष्ठ बनाने की शिक्षा निराकार परमपिता परमात्मा शिव वर्तमान समय सभी मनुष्य आत्माओं को इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय के माध्यम से दे रहे हैं ।

विजय अग्रवाल एस.एस.पी. दुर्ग ने सामाजिक सुरक्षा विषय पर बोलते हुए कहा कि सामाजिक सुरक्षा के विषय में पुलिस एक ऐसी संस्था है जो समाज की बुराइयों से लड़ती है और ना चाहते हुए भी कई बार बुराइयां भी पुलिस के स्वभाव के हिस्सा बन जाती है जब हम समाज में रहते हैं अच्छी और बुरी दोनों चीज रहती है परंतु जब हम लोग देखते हैं व्यक्तिगत स्तर पर कि लोग सिर्फ पुलिस की बुराइयों को याद रखते हैं पुलिस की जो अच्छे काम होते हैं लगभग उसे नोटिस नही करते हैं जहां हम लोग असफल होते हैं लोग उन्हीं चीजों को याद रखते हैं । यह सब बताने का उद्देश्य है कि हम भी इस समाज से आते हैं जिस समाज से आप आते हैं हमारी भी उतनी ही इंद्रिय है जितनी आपकी बस यह है कि जिस नौकरी में है उसे नौकरी में एक विशेष कार्य करने का दायित्व दिया है । दायित्व है सामाजिक सुरक्षा का लोगों की जिंदगी अमन चैन से गुजरे उनके घर में कोई आपदा ना आए कोई मुश्किल ना आए ।

एक पुलिस मैन के रूप में आज चुनौतियां बहुत बढ़ गई है जो पुराने समय के अपराध थे वह तो हो ही रहे हैं परंतु जो नए अपराध आ गए जैसे साइबर फ्रॉड आपने नाम सुना होगा यह सबसे बड़ी चुनौती है और सबसे आश्चर्य का विषय है कि फ्रॉड की जो कुंजी है कि है वह आपकी मोबाइल और लैपटॉप में है और जो प्रोडक्ट्स है सबसे पहले आपसे गलती करवाता है वह आपके हैबिट को देखता है और उस हैबिट का एनालिसिस करके आपसे गलती करवाता है । आप कोई ऑनलाइन पेमेंट करते हैं तो प्रॉपर्ली लॉग आउट हुई है कि नहीं पेमेंट किया आप बटन बिना ऑफ किए मोबाइल दूसरे काम में उपयोग किया सामने कोई ब्लूटूथ डिवाइस है कोई वाईफाई डिवाइस से पूरा मोबाइल का डाटा हैक कर लेता है ।

एक चीज और है अगर आप अच्छे अभिभावक है तो कृपया करके अपने बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट को एक बार जरूर देखिए आपको यह पता होना चाहिए कि आपका बच्चा किस दिशा में जा रहा है साइबर फ्रॉड का एक बहुत बड़ा हिस्सा बच्चों के सोशल मीडिया के प्रयोग से जो गलत असर पड़ रहा है वह भी बहुत महत्वपूर्ण है । हर घर में अभिभावक अपने बच्चों के विषय में बहुत अनभिज्ञ है और यह परिवार के बिखराव का भी कारण बन रहा है और विशेष रूप से बच्चियों पर काफी इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है अगर आप बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहते हैं तो उनसे बात करिए उनकी समस्याओं को समझिए सिर्फ बात करने से ही 50% समस्या हल हो जाती है बच्चा अपनी बात बोले तो सही । तीसरी चीज जो मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं जैसे आप अपने एजुकेशन में खाने-पीने में पहनने में खर्च करते हैं वैसे ही अपने घर की सुरक्षा में भी थोड़ा बहुत खर्च करिए उससे आपको मेंटल पीस भी मिलेगा और आप कहीं जाते हैं तो सुरक्षा भी सुरक्षित होगी मेरा इशारा सीसीटीवी को लेकर अगर आपके घर में सीसीटीवी लगा होता है और यह चीज लोगों को पता होता है तो आप यह मान लीजिए की चोरी की जो वारदातें हैं लगभग 50% कम हो जाती है चोर उन घरों को टारगेट करते हैं ,नौकर उन घरों को टारगेट करते हैं जहां सीसीटीवी नहीं है सामाजिक सुरक्षा के लिए पारिवारिक सुरक्षा के लिए सीसीटीवी आवश्यक है ।

रुद्राभिषेक पूजन कर बसना विधायक ने प्रदेश वासियों की सुख समृद्धि की कामना

रायपुर (समय दर्शन)। इस वर्ष श्रावण मास के अंतिम सोमवार पर राजधानी रायपुर में भक्ति और आस्था का माहौल देखने को मिला। बसना विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने अपनी पत्नी के साथ रायपुर के भाटागांव स्थित दक्षिणेश्वर मां काली मंदिर में भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर पूरे प्रदेशवासियों के लिए सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

पूजा के बाद विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कहा कि आज श्रावण मास का अंतिम सोमवार है, श्रावण मास भगवान शिव की आराधना का एक विशेष समय होता है। इस शुभ अवसर पर सहपारिवार रुद्राभिषेक कर मैंने प्रदेश के सभी लोगों के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की है। मैं भगवान शिव से प्रार्थना करता हूँ कि वे सभी की मनोकामनाएं पूरी करें और सबका जीवन खुशियों से भर दें।

उन्होंने आगे कहा कि धार्मिक आयोजन हमें हमारी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ते हैं और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। ऐसे कार्यक्रम हमें एकजुट होने और हमारी परंपराओं को बनाए रखने का मौका देते हैं। इन आयोजनों में सभी मिलकर एक-दूसरे के लिए प्रार्थना करते हैं, जिससे हमारे समाज में भाईचारा और सद्भाव बढ़ता है। विधायक डॉ अग्रवाल ने कहा कि वे हमेशा से समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए काम करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य बसना विधानसभा क्षेत्र विकास करना है, ताकि यहाँ के लोग एक बेहतर जीवन जी सकें। इस कार्यक्रम में कई गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और श्रद्धालु मौजूद थे।

प्रगतिशील छग सतनामी समाज महिला मंडल द्वारा सावन महोत्सव का आयोजन

रायपुर (समय दर्शन)। गुरु घासीदास कालोनी न्यू राजेंद्र नगर रायपुर में सावन उत्सव का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ के महान संत परमपूज्य गुरुघासीदास बाबा जी की पूजा कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया ।

इक्विटी सोसायटी द्वारा विभिन्न समूहों की समीक्षा के साथ आगामी दिनों में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारी की जा रही है। समाज के द्वारा वृहद स्तर पर निर्धन वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए मुफ्त एप्लीकेशन और कोचिंग की व्यवस्था की जा रही है । जिसमें खर्च का वहन सामाजिक स्तर पर किया जाता है साथ ही निर्धन परिवार के युवक युवतियों के प्रदेश स्तर पर परिचय सम्मेलन कर विवाह भी की जाती है।

इस तरह से सतनामी समाज की महिलाओं के सामाजिक ढांचे के साथ-साथ राजनीतिक और स्वायत्त क्षेत्र में भी क्रांति कर रही है।

इस कार्यक्रम में समाज की महिलाओं द्वारा कई खेलों का आयोजन किया गया। हर खेल में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली महिलाओं को सर्टिफ़िकेट प्रदान किया गया।

समाज की सभी महिलाओं ने आगामी वर्षों में सावन उत्सव को पहले की तुलना मे पूर्ण जिम्मेदारी के साथ आकर्षक और वृहद स्तर पर करने का संकल्प लिया।

पिछले दिनों 27 जुलाई को छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्य मंत्री विजय शर्मा और रायपुर के सांसद बृज मोहन अग्रवाल ने शपथ ग्रहण समारोह में मेधावी छात्रों और समाज के उत्साह और प्रगति के लिए सामाजिक भवन निर्माण के लिए 1 करोड़ रुपये देने की घोषणा की है। इसके लिए मुख्यमंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया गया ।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-25